सब का सपना

निष्पक्ष व निडर साप्ताहिक समाचार पत्र

वर्ष–01 अंक–19 अमरोहा उत्तर प्रदेश www.sabkasapna.com सोमवार ● 25 मार्च से 31 मार्च 2024 पेज–08 मूल्य 5 रूपये

छत्तीसगढ़ के बीजापुर में दो नक्सली एनकाउंटर में ढेर

आईडी विस्फोट में दो जवान किए थे घायल, बीजापुर के पीडिया गांव में जंगल में सुरक्षाबलों पर नक्सलियों ने गोलियां चलाई

बीजापुर, एजेंसियां

छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित बीजापुर जिले में सुरक्षाबलों ने शनिवार को मुठभेड़ में दो नक्सलियों को मार गिराया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले के पीडिया गांव में जंगल में सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में दो नक्सलियों को मार गिराया। उन्होंने बताया कि शुक्रवार को बीजापुर के गंगालूर थाना क्षेत्र के अंतर्गत गंगालूर और मुतवेंडी से बीजापुर सुरक्षा बलों के संयुक्त दल को नक्सल विरोधी अभियान के लिये रवाना किया गया था। इस दल में डीआरजी, बस्तर फाइटर्स, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के कोबरा बटालियन और एसटीएफ शामिल थी। अधिकारियों ने बताया कि इसके साथ ही सुकमा जिले के जगरगुंडा थाना क्षेत्र के अंतर्गत सिलगेर से सुकमा और दंतेवाड़ा डीआरजी, बस्तर फाइटर्स और सीआरपीएफ के दल को भी अभियान के लिए रवाना किया गया था। उन्होंने बताया कि अभियान के दौरान आज सुबह लगभग साढ़े 8 बजे पीडिया गांव के जंगल में बीजापुर और सुकमा जिले के डीआरजी के जवान जब गस्त लगा रहे थे, तब नक्सलियों ने जवानों पर गोलीबारी शुरू कर दी। इसके बाद जवानों ने भी जवाबी कार्रवाई की। अधिकारियों ने बताया कि मुठभेड़ के बाद जब जवानों ने घटनास्थल की तलाशी ली, तब वहां से दो नक्सलियों के शव और हथियार बरामद किये गये।

> नक्सलियों ने जवानों पर गोलीबारी शुरू कर दी। इसके बाद जवानों ने भी जवाबी कार्रवाई की। अधिकारियों ने बताया कि मुठभेड़ के बाद जब जवानों ने घटनास्थल की तलाशी ली, तब वहां से दो नक्सलियों के शव और हथियार बरामद किये गये।

बम विस्फोट में घायल हुए थे दो जवान

अधिकारियों ने बताया कि क्षेत्र में सुरक्षाबल के जवान लगातार नक्सल विरोधी अभियान पर हैं। अधिकारियों ने बताया कि इससे पहले शुक्रवार को रात लगभग 10 बजे अभियान के दौरान सुकमा जिले के जगरगुंडा थाना क्षेत्र के अंतर्गत डोडीतुमनार गांव के जंगल में नक्सलियों द्वारा लगाए गए प्रेशर बम की चपेट में आने से बस्तर फाइटर्स (दंतेवाड़ा) के दो जवान आरक्षक राकेश कुमार मरकाम और विकास कुमार कर्मा घायल हो गए। घायल जवानों को उपचार के लिए रायपुर भेजा गया है। घायल जवानों की स्थिति खतरे से बाहर है।

मॉस्को आतंकी हमले में 150 लोगों के मरने की पुष्टि

मॉस्को : रूस की राजधानी मॉस्को के एक कॉन्सर्ट हॉल में आतंकी हमला हुआ। इस हमले में अबतक 150 लोगों की मौत हो गई है, जबकि 100 से अधिक लोग घायल हैं। इस मामले में रूसी पुलिस ने अबतक 11 आरोपियों को हिरासत में लिया है, जिनमें से 4 लोगों का आतंकी हमले से सीधा कनेक्शन है। इसे लेकर रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा कि दोषियों को चुन–चुन कर मारेंगे।

आतंकी हमले पर क्या बोले पुतिन :

मॉस्को के एक कॉन्सर्ट हॉल में हुई गोलीबारी को लेकर रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने देशवासियों से कहा कि मैं आज आपसे उस खूनी और बर्बर आतंकवादी हमले के संबंध में बात करने आया हूं, जिसके शिकार कई निर्दोष लोग हुए हैं। इसे लेकर मैं 24 मार्च को राष्ट्रीय शोक दिवस घोषित करता हूं। उन्होंने कहा कि इस मामले की जांच की जाएगी। हमले में शामिल सभी दोषियों को सख्त से सख्त सजा दी जाएगी।

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा कि हमलावरों ने भागने की कोशिश की, वे यूक्रेन की सीमा की ओर भाग रहे थए। जांच अधिकारी पहचान के लिए हरसंभव प्रयास करेंगे। ये अपराधी विशेष रूप से हमारे लोगों को मारने के लिए आए थे। हम आशा करते हैं कि हमारे दर्द को साझा करने वाले अन्य देश हमारे साथ सहयोग करेंगे। इन आतंकवादियों की कोई राष्ट्रीयता नहीं है।

इस्लामिक स्टेट समूह ने मॉस्को आतंकी हमले की जिम्मेदारी ली है। इसे लेकर उन्होंने बयान भी जारी किया है। वहीं, रूसी नेताओं और जांच एजेंसियों का कहना है कि इस हमले का कनेक्शन कहीं न कहीं यूक्रेन से जुड़ा हुआ है। इस घटना को अंजान देने के बाद हमलावरों की प्लानिंग बॉर्डर पार करके यूक्रेन जाने की थी। आपको बता दें कि मॉस्को के कॉन्सर्ट हॉल में गुरुवार को हजारों की संख्या में लोग जुटे हुए थे। इस दौरान कुछ बंदूकधारियों ने अचानक से गोलीबारी कर दी, जिससे पूरा हॉल गोलियों की आवाज से गूंज उठा। लोग अपनी जान बचाकर इधर–उधर भागने लगे।

जरूर पढ़ें

हेमंत सोरेन की पत्नी ने सुनीता केजरीवाल से की बात

दिल्ली: के सीएम अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी को लेकर इंडिया गठबंधन ने विरोध जताया है। इसे लेकर वरिष्ठ नेताओं ने केंद्र और भाजपा पर जमकर निशाना साधा है। इस बीच झारखंड के पूर्व सीएम हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना मुर्मू सोरेन ने सीएम अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल से बात कर साहस देने का प्रयास किया। दिल्ली शराब घोटाले के जुड़े मनी लॉन्डिंग के मामले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की मुसीबत बढ़ गई है। प्रवर्तन निदेशालय (एऊ) ने सीएम केजरीवाल को गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया, जहां जज ने उन्हें 28 मार्च तक के लिए ईडी की रिमांड में भेज दिया। इसे लेकर झारखंड के पूर्व सीएम हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना मुर्मू सोरेन ने सीएम केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल से बात की।

जर्मनी, जापान और यूके की जीडीपी में गिरावट जारी, भारत लगा रहा लंबी छलांग

जर्मनी, जापान और यूके जैसे देशों में पिछले कुछ वर्षों में जीडीपी (पीपीपी) रैंकिंग में गिरावट लगातार जारी है। वहीं रिपोर्ट की मानें तो भारत ने जीडीपी (पीपीपी) में इन सालों में महत्वपूर्ण बढ़त हासिल की है। जीडीपी (पीपीपी) का मतलब है खरीद की क्षमता पर आधारित सकल घरेलू उत्पाद। दिल्ली स्थित सोशल पॉलिसी रिसर्च फाउंडेशन (एसपीआरएफ) की रिसोर्च रिपोर्ट के अनुसार, 2024 तक पीपीपी के आधार पर मूल्यांकन किया जाए तो भारतीय अर्थव्यवस्था यूके की तुलना में 3.6 गुना, जापान की तुलना में 2.1 गुना और जर्मनी की तुलना में 2.5 गुना ज्यादा है।

सदगुरु के स्वास्थ्य में सुधार, अस्पताल में लिखी कविता–'लॉस्ट मी इन यू'

नई दिल्ली : दिल्ली के अपोलो अस्पताल में ब्रेन सर्जरी के बाद सदगुरु जग्गी वासुदेव ने अस्पताल में एक कविता लिखी है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर उन्होंने इस कविता के शेयर किया है। इस कविता का शीर्षक है 'लॉस्ट मी इन यू'।

भारत ने जर्मनी को लगाई जमकर लताड़, केजरीवाल मामले पर न दें दखल

दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी पर जर्मनी के विदेश मंत्रालय की तरफ से दिए गए बयान पर भारत ने उसे जमकर लताड़ लगाई है। भारत ने कहा कि जर्मनी का बयान भारत की न्याय प्रणाली में दखलअंदाजी की तरह है। ये हमारे न्याय व्यवस्था की स्वतंत्रता को प्रभावित करने जैसा है। बता दें कि केजरीवाल की गिरफ्तारी पर जर्मन विदेश मंत्रालय ने कहा था कि हमें उम्मीद है कि पूरे घटनाक्रम में न्यायपालिका की स्वतंत्रता और लोकतान्त्रिक सिद्धांतों का ध्यान रखा जायेगा। सुनवाई निष्पक्ष होगी और केजरीवाल को अपना पक्ष रखने का अवसर मिलेगा।

कंवर सिंह तंवर बोले– मोदी सरकार में भयमुक्त होकर व्यापार कर रहे व्यापारी

सब का सपना, संवाददाता

उत्तर प्रदेश व्यापार मंडल द्वारा विशाल स्वागत सम्मेलन का आयोजन किया गया। एकजुट हुए व्यापारियों ने 26 अप्रैल को ज्यादा से ज्यादा मतदान करने की अपील की। इस दौरान व्यापारियों ने पूर्व सांसद कंवर सिंह तंवर का स्वागत किया।

बुधवार की देर रात शहर के बिजनौर रोड एक बैंक्वेट हॉल में उत्तर प्रदेश व्यापार मंडल द्वारा विशाल स्वागत सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता उत्तर प्रदेश व्यापार मंडल के जिला अध्यक्ष विशाल गोयल एडवोकेट ने की। इस दौरान व्यापारियों ने मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा प्रत्याशी व पूर्व सांसद चौधरी कंवर सिंह तंवर का स्वागत किया। कार्यक्रम में सभी व्यापारियों ने अपने अपने विचार रखे। 26 अप्रैल को ज्यादा से ज्यादा वोटिंग करने के लिए अपील की।व्यापार मंडल के जिला अध्यक्ष विशाल गोयल ने कहा कि जिस तरह पूर्व में भारत को सोने की चिड़िया कहा जाता था, अबकी बार पुनः भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए की सरकार लगातार तीसरी बार जीतकर इतिहास रचेगी और भारत पुनः सोने की चिड़िया कहलाएगा।व्यापार मंडल के संरक्षक विनोद गुप्ता ने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में 400 सीटों के पार जीताकर एनडीए की सरकार बनाना है। कार्यक्रम संयोजक शार्दुल अग्रवाल ने कहा कि अमरोहा का व्यापारी जागरुक है और भारतीय जनता पार्टी के साथ है। पूर्व सांसद व भाजपा प्रत्याशी कंवर सिंह तंवर ने कहा कि वह हर बार अमरोहा की जनता की कसौटी पर खरे उतरे। कहा कि वह अमरोहा की जनता के लिए सदैव आगे खड़े। व्यापारी आज भयमुक्त होकर अपना व्यापार कर रहा है।

पूर्व सांसद व भाजपा प्रत्याशी कंवर सिंह तंवर ने कहा कि वह हर बार अमरोहा की जनता की कसौटी पर खरे उतरे। कहा कि वह अमरोहा की जनता के लिए सदैव आगे खड़े।

कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष उदयगिरि गोस्वामी, शिक्षक विधायक डॉ हरि सिंह ढिल्लों, माटी कला बोर्ड के अध्यक्ष ओमप्रकाश गोला, नगर पालिका की अध्यक्षा शशि जैन, सरदार गुरिंदर सिंह ढिल्लों, बृजेश चौधरी, राम सिंह सैनी, केएस सैनी, राकेश वर्मा, पूरन सिंह सैनी, चंद्रभान भाटी, प्रेम सिंह सैनी, विनोद गुप्ता, करुणेश गोयल, अजय कुमार अग्रवाल, योगेश जैन, शार्दुल अग्रवाल, वरुण माहेश्वरी, रिभू माहेश्वरी, पुष्कर लाल गुप्ता,संजीव रघुवंशी, अभिषेक शर्मा, अभय सिंघल,शंकर प्रकाश, दीपक बंसल, सुधांशु विश्नोई, अभय आर्य, सुमित सरन, प्रवीण अग्रवाल आदि रहे।

अमरोहा में राज्य कर विभाग की छापेमारी, बीड़ी फर्म में 2 करोड़ की टैक्स चोरी पकड़ी

अमरोहाः अमरोहा के नौगावां सादात में राज्य कर विभाग की मुरादाबाद और अमरोहा टीम ने चांद बीड़ी फर्म के गोदाम पर छापेमारी की। छापेमारी के दौरान टीम ने करीब दी करोड़ रुपए की जीएसटी चोरी पकड़ी गई। साथ ही कई अनियमिताएं भी टीम को मौके से मिलीं।

टीम ने 51 लाख रुपए तत्काल जमा कराए। बताया जा रहा है कि देर रात तक टीमें छानबीन करती रही। बीड़ी कारोबारियों में इस अचानक हुई छापेमारी से हड़कंप मचा रहा। जबकि कई कारोबारी अपनी फर्म पर ताले डालकर रफू चक्कर हो गए।

नौगावां सादात में राज्य कर विभाग की मुरादाबाद और अमरोहा टीम ने जिस चांद बीड़ी फर्म पर छापा मारा। वहां करीब 40 वर्षों से बीड़ी का कारोबार होता है लेकिन बुधवार को मुरादाबाद और अमरोहा से पहुंची राज्य कर विभाग की टीम ने फर्म पर दो करोड़ की कर चोरी पकड़ी।इस मामले में जानकारी देते हुए राज्य कर के अपर आयुक्त ग्रेड–1 आरए सेठ ने बताया कि करीब दो करोड़ रुपए की जीएसटी चोरी पकड़ी गई है। साथ ही क्रय–विक्रय से जुड़े दस्तावेजों में कई अनियमिताएं पाई गई हैं।

राज्य कर के अपर आयुक्त ग्रेड–1 आरए सेठ ने बताया कि करीब दो करोड़ रुपए की जीएसटी चोरी पकड़ी गई है।दस्तावेजों में कई अनियमिताएं पाई गई हैं।

घर के पीछे गड्ढे के पास मिला रेलवे कर्मी का शव

अमरोहा। संदिग्ध परिस्थितियों में रेलवे के गेटमैन की मौत हो गई। गेटमैन का शव आवासीय कॉलोनी में उसके कमरे के पीछे पड़ा मिला। सूचना मिलते ही नगर पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने शव के पास से शराब की बोतल भी बरामद की है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। गेटमैन का शव मिलने से आसपास सनसनी फैल गई।

मूल रूप से डिडौली कोतवाली क्षेत्र के गांव मिठनपुर निवासी अरुण कुमार रेलवे में गेटमैन के पद पर तैनात था। उसकी तैनाती अमरोहा रेलवे स्टेशन पर थी। उसके परिवार में पत्नी के अलावा दो बच्चे हैं। वह परिवार के साथ रेलवे की आवासीय कॉलोनी में रह रहा था। बुधवार रात को डयूटी से लौटकर वह घर चला गया था। इसके बाद पत्नी से बाहर टहलकर आने की बात कहकर घर से निकल गया। अरुण कुमार के देर रात तक वापस नहीं आने पर परिजनों ने उसे तलाशा तो वह कहीं नहीं मिला। जिसके बाद परिजनों ने जीआरपी और आरपीएफ को सूचना दी।

आरपीएफ व जीआरपी कर्मी उसको लेकर सीएचसी पहुंचे। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना पर नगर कोतवाली पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। परिवार से पूछताछ के बाद पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

बुधवार देर रात करीब एक बजे गेटमैन अरुण कुमार का शव घर के पीछे ही गड्ढे के पास पड़ा मिला। पुलिस की मुताबिक अरुण के शव के पास शराब की बोतल भी मिली है। आरपीएफ व जीआरपी कर्मी उसको लेकर सीएचसी पहुंचे। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना पर नगर कोतवाली पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। परिवार से पूछताछ के बाद पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

अश्लील एवं आपत्तिजनक डीजे पर गाने बजाने पर होगी कार्रवाई, एसपी ने सीओ के साथ की बैठक

अमरोहा, एसपी कुंवर अनुपम सिंह ने सीओ व थाना प्रभारियों के साथ बैठक की। कहा कि डीजे पर अश्लील एवं आपत्तिजनक गाना चलाने वालों पर कार्रवाई करें। कहा कि होली पर यदि अश्लील गाने चलाए जाते हैं तो उन पर कठोर कार्रवाई की जाएगी।

मंगलवार को पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह ने पुलिस कार्यालय स्थित सभागार में सभी सीओ व थाना प्रभारियों के साथ बैठक की। निर्देश दिए हैं कि होली त्यौहार को शांति एवं भाईचारे के साथ संपन्न कराया जाए।

कहा कि सभी थाना प्रभारी अपने अपने क्षेत्र में ध्यान दें कि होली पर कोई भी अश्लील गाने डीजे पर न बजाए। यदि शिकायत मिलती है तो कठोर कार्रवाई करें। थाना प्रभारी सभी डीजे संचालकों के साथ बैठक कर उन्हें निर्देश दें।

इसके बाद सभी थाना प्रभारियों ने डीजे संचालकां के साथ बैठक कर

होली त्यौहार पर डीजे पर आपत्तिजनक एवं अश्लील किस्म के गाने न बजाने के निर्देश दिए हैं। थाना प्रभारियों ने सभी डीजे संचालकों एवं उपयोगकर्ता को हिदायत दी है कि होली त्यौहार पर आपत्तिजनक भड़काऊऔर अश्लील गाने न बजाये जाए। जिससे कानून व्यवस्था एवं शांति व्यवस्था भंग नहीं होनी चाहिए। आपत्तिजनक एवं अश्लील गाने बजाने पर डीजे संचालक के खिलाफ कठोर कार्यवाही की जाएगी।

अमरोहा : 1141 स्थानों पर होगा होलिका दहन, पुलिस–प्रशासन सतर्क

अमरोहा। जिले भर में 1141 स्थानों पर होलिका दहन किया जाएगा। इसके लिए पुलिस–प्रशासन ने कड़े इंतजाम किए हैं। सुरक्षा के लिहाज से जगह–जगह पुलिस तैनात रहेगी। होली पर माहौल बिगाड़ने वालों के खिलाफ पुलिस सख्ती के साथ निपटेगी।

जिले में 24 मार्च को होलिका दहन और 25 मार्च को रंग खेला जाएगा। कुल 1141 स्थानों पर होलिका दहन होगा। पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह ने बताया कि जिले में शांति एवं भाईचारे के साथ होली मनाने की तैयारी पूरी कर ली गई है। उन्होंने कहा कि माहौल को खराब करने वालों पर कड़ी नजर रखने के लिए पुलिस कर्मियों को निर्देश दे दिए गए हैं। उधर, खरीदारी करने वालों की भीड़ बाजार में उमड़ रही है। सुरक्षा के लिए शहर के चौक चौराहा और बाजार में पुलिस ड्यूटी लगाई गई है।

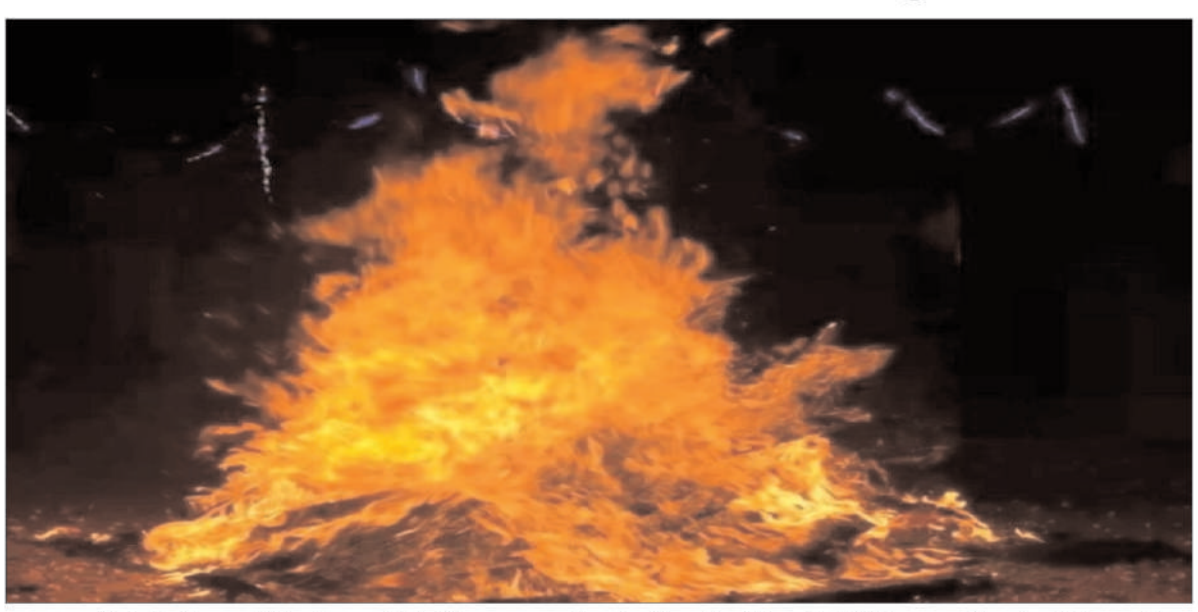

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि होली को शांतिपूर्वक मनाने के लिए थाना अध्यक्षों को गांव में जाकर लोगों को शांतिपूर्ण ढंग से त्योहार मनाने और किसी प्रकार से माहौल नहीं बिगड़ने की हिदायत दी है। होलिका दहन वाले स्थलों पर सुरक्षा व्यवस्था बनाई जा रही है। जगह–जगह पुलिसकर्मियों की तैनाती कर दी गई है। ग्रामीण क्षेत्रों में होलिका दहन स्थलों पर विशेष निगरानी रखी जाएगी।उन्होंने बताया जिले के 50 संवेदनशील क्षेत्रों पर अतिरिक्त फोर्स को लगाया जाएगा। उन्होंने कहा कि होली के अवसर पर जिले में 25 स्थानों पर जुलूस निकाल जाएंगे। तीन स्थानों पर मेले लगाए जाएंगे। जिसकी सुरक्षा व्यवस्था को लेकर इंतजाम किए गए हैं। कहा कि नगर के मोहल्ला दुर्गा कॉलोनी में मेले का आयोजन किया जाएगा। मेले की सभी तैयारी पूरी कर ली गई हैं। होली पर सीसीटीवी कैमरा के माध्यम से माहौल खराब करने वालों पर नजर रखी जाएगी।भद्रा में होलिका दहन करना शुभ नहीं होता है। इस साल होलिका दहन 24 मार्च को रात्रि 11:14 से लेकर 12:20 तक रहेगा। इसी बीच होलिका दहन किया जाएगा।नगर पालिका की ओर से होली पर 25 मार्च को पानी की विशेष व्यवस्था रहेगी। इसके लिए नगर पालिका ने 24 घंटे जलापूर्ति करने का फैसला लिया है। अधिशासी अधिकारी डॉ. बृजेश कुमार ने बताया कि होली पर सूखे एवं गीले रंगों का प्रयोग किया जाता है। होली पर पानी की अधिक आवश्यकता होती है। इसलिए जल कल विभाग के साथ बैठक की गई है।

एक नजर

सोशल मीडिया से हुई दोस्ती, चुपके से बना ली अश्लील वीडियो

अमरोहा, अमरोहा की युवती की गाजियाबाद निवासी युवक से सोशल मीडिया के माध्यम से जान पहचान हुई। इसके बाद दोनों लगातार मिलने लगे। आरोप है कि इस बीच युवक ने युवती की वीडियो बनाकर वायरल कर दी। पुलिस ने मामले में केस दर्ज कर लिया है। दिल्ली में रहने वाली अमरोहा की युवती की दोस्ती गाजियाबाद के युवक से सोशल मीडिया के माध्यम से हो गई। इसके बाद दोनों के परिवार एक दूसरे के घर आने जाने लगे। इस बीच युवक ने युवती की अश्लील वीडियो बनाकर वायरल कर दी।

जब युवती ने युवक और उसके परिजनों से वीडियो वायरल करने के बारे में पूछा तो उन्होंने जान से मारने की धमकी दी। मामले में आरोपी युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। अमरोहा नगर की रहने वाली एक युवती दिल्ली के अस्पताल में नौकरी करती है।

वहीं अस्पताल के हॉस्टल में रहती है। सोशल मीडिया अकाउंट के माध्यम से उसकी दोस्ती गाजियाबाद के स्वर्ण जयंतीपुरम में रहने वाले प्रिंस से हुई। इसके बाद दोनों परिवार एक दूसरे के घर आने जाने लगे। आरोप है

कि प्रिंस ने गुप्त कैमरा लगाकर युवती की अश्लील वीडियो बना ली और बाद में उसके अस्पताल के सीनियरों को भेज दी।

इसके बाद में वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गई। युवती ने इसकी शिकायत प्रिंस के परिजनों से की तो उन्होंने विश्वास नहीं किया। पीड़िता ने ये बात अपने परिजनों को बताई तो उनके होश उड़ गए। उन्होंने भी प्रिंस और उसके परिजनों को वीडियो वायरल करने के बारे में पूछा।तभी से लेकर आरोपी प्रिंस जान से मारने की धमकी दे रहा है। सीओ सिटी अरुण कुमार ने बताया कि मामले में प्रिंस के खिलाफ धमकी और आईटी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। मामले की जांच की जा रही है।

दवा लेने के बहाने से नर्स से इश्क, शादी का झांसा देकर दुष्कर्म

अमरोहाः अस्पताल गए युवक को नर्स से प्यार हो गया। इसके बाद वह लगातार उससे मिलने लगा। आरोप है कि युवक ने नर्स को शादी का झांसा देकर दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया। पुलिस से शिकायत पर वह वीडियो वायरल करने की धमकी दे रहा है।

दवा लेने अस्पताल पहुंचे युवक ने निजी अस्पताल की नर्स को शादी का झांसा देकर प्रेम जाल में फंसा लिया। बाद में उसके साथ दुष्कर्म किया। शादी के लिए दबाव बनाने पर अश्लील फोटो–वीडियो वायरल करने की धमकी दी। अब शादी से मुकर गया।

शिकायतीपत्र देकर कार्रवाई की मांग की है। यह मामला अमरोहा नगर के एक मोहल्ले का है। यहां रहने वाली युवती एक निजी क्लीनिक पर नर्स का काम करती है। चार साल पहले मोहल्ला कटरा गुलाम अली का युवक क्लीनिक पर दवा लेने गया था।

तीन दिन तक लगातार अस्पताल आने के बाद उसने नर्स का मोबाइल नंबर ले लिया। इसके बाद कॉल करनी शुरू कर दी। दोनों फोन पर बात करने लगे। जिसके बाद दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ गईं। इस दौरान युवक ने नर्स को शादी का झांसा देकर प्रेम जाल में फंसा लिया।आरोप

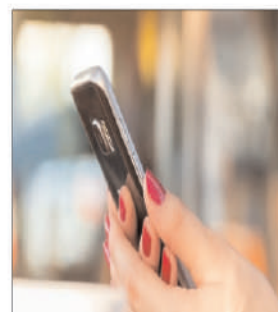

है कि युवक ने नर्स के साथ दुष्कर्म किया। तीन महीने पहले नर्स ने शादी करने के लिए कहा तो उसने इनकार कर दिया। शादी करने के दबाव बनाने पर अश्लील फोटो–वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी दी।अश्लील फोटो–वीडियो डिलीट करने का झांसा देकर क्लीनिक में भी दुष्कर्म किया। नौ मार्च को पीड़िता ने युवक से फोटो और वीडियो डिलीट करने के लिए कहा तो उसने जान से मारने की धमकी दी। शरीर के टुकड़े करके नाली में फेंकने की बात कही।तभी से पीड़ित को अनहोनी की आशंका सता रही है। पीड़िता ने एसपी को शिकायती पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है।

दो आरोपियों की 65 लाख रुपए की संपत्ति कुर्क

गजरौला/अमरोहाः –गोकशी के दो आरोपियों के खिलाफ पुलिस ने गैंगस्टर की कार्यवाही करते हुए 65 लख रुपए की संपत्ति को कुर्क किया है। दोनों आरोपियों के खिलाफ गोकशी के मुकदमे दर्ज हैं।

शुक्रवार को क्षेत्राधिकारी श्वेताव भास्कर के निर्देश पर क्षेत्र के गांव करमल्लीपुर निवासी छीछू पुत्र सुखे व सत्तार पुत्र हाफिज के दो दो मकानों को कुर्क किया गया है। नायब तहसीलदार व थाना पुलिस द्वारा गांव में डुगडुगी बजाकर गैंगस्टर की कार्यवाही की गई है। प्रभारी निरीक्षक हरीश वर्धन ने बताया कि पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर आरोपियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत छीछू पुत्र सुखे व सत्तार पुत्र हाफिज। की 65 लाख रुपए की संपत्ति को कुर्क किया गया है

ड्यूटी में लापरवाही पर फ्लाइंग स्कॉड प्रभारी का वेतन रोका

अमरोहा। निर्वाचन संबंधी शिकायत के निस्तारण में लापरवाही पर एडीएम वित्त एवं राजस्व ने फ्लाइंग स्क्वॉड टीम के प्रभारी के वेतन पर रोक लगाते हुए स्पष्टीकरण तलब किया है।

लोकसभा चुनाव के लिए ग्रामीण अभियंत्रण विभाग के अवर अभियंता मनोज कुमार की ड्यूटी फ्लाइंग स्क्वॉड टीम के प्रभारी के तौर पर मंडी धनौरा में सुबह छह से दो बजे तक लगाई गई थी। बीस मार्च को मिली एक शिकायत के निस्तारण के लिए जब मनोज कुमार को फोन किया गया तो उन्होंने स्वयं के पास गाड़ी न होने की बात कही। इसके बाद उन्होंने अपना मोबाइल भी बंद कर लिया।

चुनाव के चलते जिलाधिकारी ने होली की छुट्टी निरस्त की

अब स्थानीय स्तर पर यह अवकाश नरक चतुर्दशी को मिलेगा।

मुरादाबाद : लोकसभा चुनाव के कारण डीएम मानवेंद्र सिंह ने होली की छुट्टी (26 मार्च) निरस्त कर दी है। इसके स्थान पर अब 30 अक्तूबर को नरक चतुर्दशी पर अवकाश मिलेगा। डीएम ने बताया कि लगातार अवकाश के कारण नामांकन करने के लिए प्रत्याशियों को काफी कम समय मिलेगा।

इसी कारण 26 मार्च पर होली के अवकाश को निरस्त किया गया है। उन्होंने अधीनस्थ अधिकारियों के साथ बैठक कर चुनाव के कार्यों को निष्पक्षता और निष्ठा के साथ करने के निर्देश दिए हैं। चूंकि मुरादाबाद में प्रथम चरण में चुनाव है। आयोग के निर्देशानुसार 27 मार्च तक नामांकन किया जाएगा।

28 मार्च को नामांकन पत्रों की जांच होगी। 30 मार्च को इच्छुक प्रत्याशी अपना नाम वापस ले सकते हैं। 19 अप्रैल को मुरादाबाद लोकसभा सीट के लिए मतदान का समय निर्धारित किया है।

तीसरे दिन एक प्रत्याशी ने कराया नामांकन, आठ ने खरीदा पर्चा

लोकसभा चुनाव के लिए तीसरे दिन सिर्फ कम्युनिस्ट पार्टी के प्रत्याशी ने नामांकनपत्र दाखिल किया। अभी तक 31 लोगों ने फार्म लिया। इनमें भाजपा के पूर्व सांसद सर्वेश कुमार और उनकी पत्नी साधना सिंह शामिल हैं। डीएम मानवेंद्र सिंह के समक्ष शुक्रवार को एसयूसीआई (कम्युनिस्ट) से जुड़े बुद्धि विहार निवासी हरिकिशोर सिंह (52) एडवोकेट ने पहला नामांकनपत्र दाखिल किया। इसके अलावा निर्दलीय अमाद अहमद,

राष्ट्रीय कांग्रेस (जे) पार्टी के सैयद अनवर अली ने दूसरे दिन भी एक नामांकन पत्र लिया।

निर्दलीय मो. आमिल ने दो सेट, बहुजन आंदोलन पार्टी के पवन कुमार गौतम और निर्दलीय मो. शानू ने नामांकन पत्र लिया। बुद्धि विहार निवासी राजीव कुमार गुप्ता ने टिकट घोषित नहीं होने पर पूर्व भाजपा के पूर्व सांसद कुंवर सर्वेश कुमार के नाम पर दो सेट और उनकी पत्नी साधना सिंह के नाम पर रतूपुरा निवासी शरीफ अहमद ने एक सेट नामांकनपत्र खरीदा है। भारतीय कृषक दल के प्रमोद कुमार यादव भी दो सेट नामांकनपत्र लेने वालों में शामिल हैं। तीन दिनों के दौरान 31 लोगों ने चुनाव लड़ने के लिए नामांकनपत्र खरीदा है।

रोज की तरह बुधवार को भी कलक्ट्रेट जाने वालों पर पुलिस ने काफी सख्ती बरती। वाहनों को मंडलायुक्त कार्यालय के नजदीक रोका जा रहा था।

एसएसपी कार्यालय पैदल जाने वालों को रोका गया। इस कारण आम लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा।

शिवपाल ने कहा—भाजपा संविधान खत्म करने की कर रही है कोशिश, जनता से साथ देने की अपील

(संभल) : संभल में सपा नेता शिवपाल यादव ने कहा कि भाजपा ने देश और प्रदेश में झूठ बोल कर सत्ता पाई है। भाजपा के नेताओं ने युवाओं से रोजगार का झूठ बोला और किसानों से आय दोगुनी करने का वादा किया। कहा कि भ्रष्टाचार बढ़ रहा है।बदायूं लोकसभा क्षेत्र से सपा प्रत्याशी व पूर्व कैबिनेट मंत्री शिवपाल सिंह यादव ने बृहस्पतिवार को केवलपुर तिपेडा, रानीगंज, सिकंदरपुर खागी, चमरपुरा, डूप्पटा खुर्द, चाऊपुर डांडा आदि गांवों में नुक्कड़ सभाएं कीं। इस दौरान शिवपाल सिंह यादव भाजपा सरकार कर हमलावर रहे।

> बदायूं में 2019 का लोकसभा चुनाव प्रशासन ने बेईमानी से सपा को हरवा दिया था। अब हम आ गए हैं, बेईमानी नहीं होने देंगे। इस दौरान गुन्नौर से सपा विधायक रामखिलाड़ी यादव, पूर्व विधायक प्रदीप यादव, पूर्व विधायक राजेश यादव, जिलाध्यक्ष असगर अली अंसारी, अमित यादव, नईमउल हसन उर्फ लड्डन मियां, अखिलेश यादव, रूप किशोर यादव, सर्वेश यादव सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

उन्होंने अपने संबोधन में कहा भाजपा ने देश और प्रदेश में जनता से झूठ बोल कर सत्ता पाई है। भाजपा के नेताओं ने युवाओं से रोजगार का झूठ बोला और किसानों से आय दोगुनी करने का वादा किया। कहा कि भ्रष्टाचार बढ़ रहा है। किसानों को समय पर खाद की बोरी के लिए लाइन में लगना पड़ता है।

शिवपाल सिंह यादव ने प्रशासन पर भी जनता का शोषण करने का आरोप लगाया। कहा कि भाजपा संविधान खत्म करने की कोशिश कर रही है। इस दौरान विधायक रामखिलाड़ी सिंह यादव, प्रदीप यादव, राजेश यादव, अमित यादव, अखिलेश यादव, रूपकिशोर यादव, चरण सिंह यादव, सर्वेश यादव, लालू यादव आदि रहे।

शिवपाल यादव ने पीपलवाड़ा, कलहा, सुरपुर, जुनावई के गांव दिनौरा में जनसंपर्क के दौरान नुक्कड़ सभाएं भी कीं। इस दौरान कहा कि बिजली विभाग किसानों का उत्पीड़न कर रहा है। हम किसी का उत्पीड़न नहीं होने देंगे। उन्होंने कहा कि ये सरकार किसान, महिला व व्यापारी विरोधी है।

बदायूं में 2019 का लोकसभा चुनाव प्रशासन ने बेईमानी से सपा को हरवा दिया था। अब हम आ गए हैं, बेईमानी नहीं होने देंगे। इस दौरान गुन्नौर से सपा विधायक रामखिलाड़ी यादव, पूर्व विधायक प्रदीप यादव, पूर्व विधायक राजेश यादव, जिलाध्यक्ष असगर अली अंसारी, अमित यादव, नईमउल हसन उर्फ लड्डन मियां, अखिलेश यादव, रूप किशोर यादव, सर्वेश यादव सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पिछले तीन चुनावों से मतदान में हो रही बढ़ोतरी

मुरादाबाद : वर्ष 1998 के लोकसभा चुनाव में संभल सीट पर मतदान का ऐसा रिकॉर्ड बना, जो 26 साल बाद तक कायम है। उस चुनाव में संभल लोकसभा सीट पर 70.87 प्रतिशत मतदान हुआ था। संभल लोकसभा सीट का गठन 1977 में हुआ था। इससे पहले संभल क्षेत्र अमरोहा लोकसभा क्षेत्र में शामिल था।

> 1998 के लोकसभा चुनाव के बाद मतदान प्रतिशत में कमी आई थी। अब पिछले चुनावों से फिर से मतदान प्रतिशत में बढ़ोतरी हो रही है। 2009 के लोकसभा चुनाव में संभल सीट पर 52.83 प्रतिशत, 2014 के चुनाव में 62.43 प्रतिशत, 2019 के लोकसभा चुनाव में 64.71 प्रतिशत मतदान हुआ है।

इस सीट पर 1998 के लोकसभा चुनाव में मुलायम सिंह यादव मैदान में थे। उनके खिलाफ भाजपा के टिकट पर पूर्व सांसद डीपी यादव और बसपा से बुधसेन चुनाव लड़ रहे थे। इस चुनाव में मतदान ने पुराने सारे रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिए थे और 70.87 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया था। मतदान का यह रिकॉर्ड अभी तक कायम है।

1980 में हुआ था सबसे कम मतदान

1980 का लोकसभा चुनाव संभल लोस क्षेत्र में दूसरा चुनाव था। इस चुनाव में अब तक सबसे 45.62 प्रतिशत मतदान हुआ था। 1980 के चुनाव में संभल सीट से कांग्रेस के बिजेंद्रपाल सिंह यादव ने जीत हासिल की थी और जनता दल एस की शांतिदेवी को हराया था।पिछले तीन चुनावों से मतदान में हो रही बढ़ोतरी

1998 के लोकसभा चुनाव के बाद मतदान प्रतिशत में कमी आई थी। अब पिछले चुनावों से फिर से मतदान प्रतिशत में बढ़ोतरी हो रही है। 2009 के लोकसभा चुनाव में संभल सीट पर 52.83 प्रतिशत, 2014 के चुनाव में 62.43 प्रतिशत, 2019 के लोकसभा चुनाव में 64.71 प्रतिशत मतदान हुआ है।

संक्षेप खबरें

एकतरफा इश्क में पड़े आशिक के सिर पर खून सवार, विवाहिता पर किए चाकू से वार

मुरादाबाद :एकतरफा प्यार में सिरफिरे ने विवाहिता पर चाकू से हमला कर दिया। इससे उसके गले और हाथ में गहरा जख्म लगा है। विरोध करने पर युवती के अन्य जगहों पर भी हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया गया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

> इससे उसके गले और हाथ में गहरा जख्म लगा है। विरोध करने पर युवती के अन्य जगहों पर भी हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया गया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

क्षेत्र के एक गांव निवासी ग्रामीण ने बताया कि उसने 18 फरवरी को अपनी पुत्री की शादी की थी। शादी के कुछ दिन बाद ही वह ससुराल से आकर मायके में रहने लगी। शुक्रवार रात साढ़े 11 बजे वह घर के पीछे खेत में शौच के लिए गई थी, तभी आरोपी युवक नन्हे मौके पर पहुंच गया।

उसने चाकू से विवाहिता पर हमला कर दिया। इससे गले में गहरा जख्म हो गया। जब युवती ने बचाव करते हुए विरोध किया तो उसके हाथ पर भी वार कर घायल कर दिया गया। इससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। शोर मचाने पर आरोपी मौके से भाग निकला।थाना प्रभारी कृष्ण कुमार सिंह ने बताया कि घायल युवती का मेडिकल परीक्षण कराया गया है। साथ ही युवती के पिता की तहरीर पर आरोपी नन्हे के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। एसएचओ के मुताबिक आरोपी ने विवाहिता पर एकतरफा प्यार में हमला किया है।

दिल्ली से गोरखपुर के बीच दो स्पेशल ट्रेन शुरू, मुरादाबाद स्टेशन से होकर गुजरेंगी

मुरादाबाद : तड़के 3:15 बजे मुरादाबाद होते हुए ये ट्रेन दोपहर 1:30 बजे गोरखपुर पहुंच जाएगी। वापसी में शनिवार शाम चार बजे गोरखपुर से चलेगी।

देर रात 2:05 बजे मुरादाबाद पहुंचेगी। रविवार सुबह 5:30 बजे नई दिल्ली पहुंचेगी। 18 अनारक्षित कोच भी होंगे, जिससे जनरल टिकट लेकर यात्री सफर कर सकें।

इसके अलावा (04018-17) नई दिल्ली–गोरखपुर–नई दिल्ली स्पेशल एक्सप्रेस 23 मार्च को रात 8:15 बजे नई दिल्ली से चलेगी। रात 12:05 बजे मुरादाबाद जंक्शन पर पहुंचेगी।

बरेली, लखनऊ बाराबंकी होते हुए सुबह 9:30 बजे गोरखपुर पहुंचेगी।गोरखपुर से दोपहर 12 बजे रवाना होकर रात 10:05 बजे मुरादाबाद पहुंचेगी। देर रात 1:30 बजे नई दिल्ली पहुंचेगी।

अवैध शस्त्र फैक्टरी पुलिस ने पकड़ी

संभल। कोतवाली पुलिस ने बृहस्पतिवार की देर रात को गांव गोविंदपुर के पास बंद पड़े मेंथा प्लांट के पास खंडहर में अवैध शस्त्र बनाने की फैक्टरी पकड़ी है। पुलिस ने मौके से दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। साथ ही निर्मित और अर्धनिर्मित तमंचे, बंदूक और अन्य उपकरण बरामद किया हैं। पुलिस ने दोनों को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया है।शुक्रवार को एएसपी ने खुलासे के दौरान बताया कि बृहस्पतिवार की रात मुखबिर ने सूचना दी कि गांव गोविंदपुर के पास अवैध शस्त्र बनाने की फैक्टरी चल रही है। आरोपी अवैध शस्त्र तैयार कर रहे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस ने घेराबंदी कर मौके से गांव सैफखां सराय निवासी दिलनवाज और मंडी किशनदास सराय निवासी अख्तर को गिरफ्तार कर लिया।

मिट्टी की ढांग गिरने से महिला की मौत

संभल। संभल के थाना कुढ़फतेहगढ़ के गांव शहबाजपुर में तालाब के किनारे मिट्टी की खोदाई करते समय ढांग गिर गई। इसके नीचे दबकर गांव निवासी हरकली (45) की मौत हो गई। पास में मिट्टी की खोदाई कर रही महिलाओं ने शोर मचाया। इसके बाद महिला के शव को बाहर निकाला गया। गांव शहबाजपुर निवासी महिला हरकली होली के त्योहार पर घर की लिपाई के लिए मिट्टी लेने तालाब पर गई थी।

वह ढांग के नीचे से खोद कर मिट्टी निकाल रही थी। अन्य महिलाएं तालाब के दूसरे हिस्से में मिट्टी खोद रही थी। नीचे से खोदाई करते समय अचानक ढाग गिर गई। महिला के पेट से नीचे का हिस्सा ढांग के नीचे दब गया। आवाज सुनकर अन्य महिलाएं घटना की ओर दौड़ी। हरकली को नीचे दबाकर देखकर उन्होंने शोर मचा दिया।कुछ ही देर में ग्रामीण मौके पर जमा हो गई। करीब एक घंटे के बाद महिला को मिट्टी के नीचे से निकाला गया। जब तक महिला की मौत हो गई थी। घटना स्थल पर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई थी। पुलिस ने शव पीएम को भेजा दिया है।

> संभल के थाना कुढ़फतेहगढ़ के गांव शहबाजपुर में तालाब के किनारे मिट्टी की खोदाई करते समय ढांग गिर गई। इसके नीचे दबकर गांव निवासी हरकली (45) की मौत हो गई। पास में मिट्टी की खोदाई कर रही महिलाओं ने शोर मचाया। इसके बाद महिला के शव को बाहर निकाला गया।

सपा के जियाउर्रहमान के सामने गुटबंदी होगी चुनौती

बहजोई (संभल)।सपा ने संभल लोकसभा सीट पर जियाउर्रहमान बर्क को उम्मीदवार बनाया है। उनको टिकट दादा डॉ. शफीकुर्रहमान बर्क के निधन के बाद दिया गया। जियाउर्रहमान के सामने दादा की विरासत को आगे बढ़ाने की चुनौती के साथ वोट बैंक को साधने का भी इम्तिहान रहेगा।

सपा ने संभल से जियाउर्रहमान बर्क को प्रत्याशी बनाया है। वर्तमान में वह कुंदरकी से सपा के विधायक हैं और पूर्व सांसद स्वर्गीय शफीकुर्रहमान बर्क के पोते हैं। पहले शफीकुर्रहमान बर्क को ही सपा ने अपना प्रत्याशी घोषित किया था। टिकट की घोषणा के बाद ही उनका निधन हो गया था।

सपा ने संभल लोकसभा सीट से जियाउर्रहमान बर्क को टिकट देकर उनके दादा की राजनीतिक विरासत आगे बढ़ाने का रास्ता खोल दिया है। जियाउर्रहमान के सामने अब खेमों में बंटे सपाइयों को एकजुट करने की चुनौती होगी।

लोकसभा चुनाव को लेकर सपा ने प्रत्याशियों की जो पहली सूची जारी की थी उसमें संभल से डॉ. शफीकुर्रहमान बर्क का नाम शामिल था।बीमारी के चलते डॉ. बर्क का 27 फरवरी को निधन हो गया था। इसके बाद डॉ. बर्क की संभल सीट की विरासत संभालने का जिम्मा उनके विधायक पोते जियाउर्रहमान बर्क के कंधों पर आ गया था। ऐसे में उन्होंने संभल लोकसभा क्षेत्र से दावेदारी करते हुए टिकट की मांग की थी।

जावेद को 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेजा

साजिद का हो चुका एनकाउंटर, अभी तक हत्या की कोई पक्की वजह सामने नही आई है।

बदायूं : बदायूं हत्याकांड में गिरफ्तार किए गए दूसरे आरोपी जावेद को कोर्ट ने 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। वहीं एक अन्य आरोपी का पुलिस ने मंगलवार को एनकाउंटर में ही ढेर कर दिया था। वहीं जावेद को पुलिस ने बरेली से गिरफ्तार किया था। आरोपी से पूछताछ में जावे दने कई बड़े खुलासे किए थे। उसने हत्या की संभावित वजहों का भी खुलासा किया था। जावे दने बताया था कि साजिद की मानसिक स्थिति ठीक नहीं रहती थी और वह घटना वाले दिन सुबह से ही परेशान नजर आ रहा था।

सुबह से ही परेशान था साजिद– जावेद उसने बताया कि घटना वाले दिन वह दोनों हर रोज की तरह 8–8:30 पर दुकान पर आ गए थे। उस दिन साजिद थोड़ा गुमसुम सा लग रहा था। 10 बजे साजिद ने कहा उसे कुछ दिक्कत आ रही है। वह डॉक्टर के यहां जा रहा है। इसके बाद वह 1.30 बजे आया। पूछताछ में मालूम हुआ कि साजिद बचपन से बहुत बीमार रहता था। साजिद को कई पीर बाबाओं को भी दिखाया गया था। जावेद ने पुलिस को बताया कि साजिद जब 10 साल का था, तब से ही उसे कई दिक्कत आ रही थीं। वह बहुत एग्रेसिव हो जाता था।

'दिन में साजिद के हाथ में देखा था चाकू' जावेद ने बताया एग्रेसिव होकर एक बार उसने चूहा मारने वाली दवाई भी खा ली थी। जावेद ने खुलासा किया कि साजिद के हाथ में 05.30 बजे एक चाकू देखा था। वहीं पुलिस ने चाकू के दुकानदार से साजिद की पहचान करवा ली है। इसके बाद साजिद विनोद के घर गया और छत पर खून के कपड़ो में दिखा तो ये डर गया और फिर वह और साजिद वहां से भाग गए। इसके बाद पुलिस ने साजिद का पीछा शुरू किया और वह एनकाउंटर में मारा गया।

पूछताछ के लिए बुलाए गए दिव्यांग ने खाया जहरीला पदार्थ, मौत से मचा कोहराम

यूपी के बागपत जिले में एक वकील से हुई लूट के मामले में पूछताछ के लिए कोतवाली लाए गए दिव्यांग युवक की अचानक तबियत बिगड़ गई। उसे मेरठ के अस्पताल में भर्ती कराया जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। दूसरी तरफ घटना को लेकर सोशल मीडिया में आई खबरों में कहा जा रहा है कि पुलिस प्रवीण को बुधवार को कोतवाली लाई थी, जहां रात को उसने हवालात में सल्फास खा ली। हालत बिगड़ने पर पुलिस उसे सरकारी अस्पताल ले गई, जहां से चिकित्सकों ने मेरठ मेडिकल कॉलेज के लिए उसे रेफर किया। गुरुवार की सुबह प्रवीण की मौत हो गई। हालांकि पुलिस ने प्रवीण के हवालात में सल्फास खाने की पुष्टि नहीं की है।

पूछताछ के लिए लाए गए दिव्यांग तक जहरीला पदार्थ कैसे पहुंच गया, अब पुलिस अधिकारी इसका पता लगाने में जुटे हुए हैं। इसके लिए कोतवाली में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है। इसके अलावा कोतवाली में ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठ रहे हैं।

पुलिस अधीक्षक अर्पित विजयवर्गीय ने बताया कि बुढेड़ा गांव के निवासी अधिवक्ता तेजवीर सिंह गत 16 मार्च की शाम साढ़े सात बजे मोटरसाइकिल पर सवार होकर बागपत से अपने घर जा रहे थे। रास्ते में मोटरसाइकिल सवार तीन बदमाशों ने उनसे मारपीट कर 50 हजार रुपये लूट लिए थे। उन्होंने बताया कि अधिवक्ता की तहरीर पर बागपत कोतवाली पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरु की थी। पुलिस की विवेचना के आधार पर आरोपी दीपेश उर्फ दीप तथा नीरज के नाम सामने आये, जिसके बाद दोनों को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई।

संक्षेप खबरें

बरसाना और नंदगांव के बाद मथुरा में उड़ा गुलाल

बरसाना और नंदगांव के बाद होली का धमाल आज मथुरा में मचा है। यहां रंग, गुलाल, फूल और नाच–गानों के साथ हुरियारों ने भगवान कृष्ण की जन्मस्थली पर खूब धूम मचाई और पूरा जन्मस्थान परिसर राधा कृष्ण की प्रेम भरी होली के रंग में रंग गया।

प्रकृति के इस आलौकिक बसंत उत्सव में होली का विशेष महत्व है, क्योंकि ऐसा माना जाता है कि होली की शुरुआत द्वापर युग में श्रीकृष्ण के हाथों हुई थी और तब से ही बृज में होली का विशेष महत्व है। बृज में होली का हुल्लड़ बसंत पंचमी से शुरू होकर अगले 45 दिनों तक चलता है। कहा जाता है कि बरसाना और नंदगांव में होली खेलने के बाद भगवान आज यानि रंग–भरी एकादशी के दिन मथुरा में होली खेलने आये थे।

होली के इस पावन अवसर पर आज जन्मस्थान लीलामंच पर राधा–कृष्ण के स्वरूपों ने उनकी रासलीलाओं का मंचन किया, जिसमें मथुरा के हुरियारे और हुरियारिनों ने लोक गीतों पर जमकर ठुमके भी लगाए। फिर वहां चाहे बृज का मशहूर मयूर नृत्य हो या फिर चरकुला नृत्य, प्रिया–प्रीतम के रंग में रंग गए।

मुख्तार अंसारी को जान से मारने की कोशिश? बाहुबली ने लगाया आरोप

उत्तर प्रदेश के बाहुबली माफिया मुख्तार अंसारी इन दिनों जेल की हवा खा रहे हैं। लेकिन मुख्तार अंसारी ने एक बार फिर अपनी हत्या की आशंका जताई है। मुख्तार अंसारी ने इस बाबत कोर्ट में एक प्रार्थना पत्र दायर किया। मुख्तार ने अपने वकील के जरिए कोर्ट में यह प्रार्थना पत्र दिया, जिसमें मुख्तार अंसारी ने आरोप लगाया कि उन्हें खाने में धीमा जहर यानी स्लो प्वॉइजन दिया जा रहा है। मुख्तार अंसारी ने आरोप लगाते हुए कहा कि 19 मार्च की रात खाने में जहरीला पदार्थ दिया गया था। ऐसा लग रहा है मेरी मौत हो जाएगी। मुझे बहुत ज्यादा ही घबराहट हो रही है।

मुख्तार अंसारी की हत्या की साजिश

मुख्तार अंसारी ने प्रमुख गृह सचिव अमिताभ यश पर साजिश करने का आरोप लगाया। वहीं मुख्तार के वकील ने मुख्तार अंसारी के लिए सुरक्षा व समुचित इलाज की मांग की है। बता दें कि गैंगस्टर कोर्ट में गुरुवार को वीडियो कॉलिंग के माध्यम से मुख्तार अंसारी की पेशी की गई थी। इस बाबत मुख्तार अंसारी ने अपने वकील के माध्यम से जो प्रार्थन पत्र कोर्ट में दायर कराई, उसमें लिखा है, प्रार्थी जनसेवक व राजनैतिक व्यक्ति है। प्रार्थी विधानसभा क्षेत्र 356 मऊसदर से सन 1996 से 2022 तक लगातार 25 साल तक विधानसभा सदस्य निर्वाचित हुआ। वर्तमान में विधानसभा क्षेत्र 356 सदर, जिला मऊसे प्रार्थी का बेटा अब्बास अंसारी विधानसभा सदस्य निर्वाचित हुआ है। कोर्ट में मुख्तार ने दायर किया पत्र

पत्र में आगे लिखा है कि प्रार्थी को राजनैतिक विद्वेषवश रंजिशन आपराधिक मुकदमों में फंसाया जा रहा है, तथा वर्ष 2005 से न्यायिक अभिरक्षा में जेल में निरूध है। प्रार्थी वर्तमान में बांदा की जेल में बंद है। पार्टी को 20 मार्च के दिन वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। 19 मार्च को रात के खाने में प्रार्थी को खाने में जहर देकर जान से मारने की कोशिश की गई। इससे पूहले भी मुख्तार अंसारी को बांदा जेल में दो बार जान से मारने की कोशिश की गई है।

सपा ने विधानसभा उपचुनाव के लिए अपने उम्मीदवारों के नाम का ऐलान किया

जालौन: उत्तर प्रदेश में तीन सीटों पर होने वाले विधानसभा उपचुनाव के लिए समाजवादी पार्टी ने अपने उम्मीदवारों के नाम का ऐलान कर दिया है। ददरौल से अवधेश कुमार वर्मा को टिकट मिला है। वहीं, गैंसड़ी विधानसभा से राकेश यादव सपा के उम्मीदवार होंगे। दुद्धी विधानसभा से सपा ने विजय सिंह गोंड़ को मौका दिया है।

2022 में गैंसड़ी सीट सपा जीती थी

बता दें कि गैंसड़ी विधानसभा सीट 2022 के विधानसभा चुनाव में सपा ने जीती थी। डॉ, एसपी यादव यहां से चुनाव जीते थे। उनके निधन के बाद यह सीट खाली हुई थी। यहां पर 25 मई को लोकसभा चुनाव के साथ ही उपचुनाव भी होगा।

शाहजहांपुर जिले की ददरौल विधानसभा सीट पर 13 मई को उपचुनाव होंगे। इसी दिन यहां पर लोकसभा सीट के लिए भी वोट डाले जाएंगे। साल 2022 विधानसभा चुनाव में यह सीट बीजेपी के खाते में गई थी। यहां से बीजेपी के टिकट पर मानवेंद्र सिंह चुनाव जीते थे। मानवेंद्र के निधन के बाद यह सीट रिक्त घोषित की गई थी।

बीजेपी विधायक के जेल जाने से यह सीट खाली हो गई थी। सपा ने सात बार के विधायक विजय सिंह गोंड को अपना उम्मीदवार बनाया है। तीनों सीटें के रिजल्ट 4 जून को घोषित होंगे।

दुद्धी विधानसभा उपचुनाव एक जून को होगा। 2022 विधानसभा चुनाव में यह सीट बीजेपी के खाते में गई थी। बीजेपी विधायक राम दुलार गोंड को दुष्कर्म के एक मामले में 20 साल की सजा होने के बाद उनकी सदस्यता खत्म हो गई थी। बीजेपी विधायक के जेल जाने से यह सीट खाली हो गई थी। सपा ने सात बार के विधायक विजय सिंह गोंड को अपना उम्मीदवार बनाया है। तीनों सीटें के रिजल्ट 4 जून को घोषित होंगे।

अभी तो हाथों की मेहंदी भी नहीं छूटी थी, विवाहिता की ससुराल में मौत; गुस्साए मायके वालों ने फूंका घर

प्रयागराज के मुट्ठीगंज के सट्टी चौरा मोहल्ले में सोमवार देर रात उस समय भारी हंगामा मच गया जब एक विवाहिता की मौत को लेकर मायका पक्ष से जुड़े लोगों ने घर में आग लगा दी। अभी शादी हुए एक महीना ही हुआ था कि एक विवाहिता का शव उसके कमरे के अंदर फांसी के फंदे पर लटकता हुआ मिला। शव को देख लड़की के घर वालो में कोहराम मच गया। मायके पक्ष के लोगों ने ससुरालियों पर हत्या का आरोप लगाकर जमकर हंगामा किया।

बता दें कि बीते फरवरी माह में झलवा की रहने वाली अंशिका केसरवानी की शादी मुट्ठीगंज के अंशु के साथ बड़ी धूमधाम से हुई थी। लड़की पक्ष के लोगों ने लड़के पक्ष की मांग को भी पूरा किया था। लड़की पक्ष का आरोप है कि सगाई के बाद से ही दहेज की अतिरिक्त मांग और की जाने लगी जिसे पूरा भी किया गया। सोमवार रात लगभग 10:30 बजे के बाद लड़की पक्ष को ससुरालियों के द्वारा सूचना दी गई कि उनकी लड़की ने अपने कमरे का दरवाजा दोपहर 3 बजे से ही अंदर से बंद करके रखा है। मौके पर जब लड़की पक्ष से जुड़े कई लोग पहुंचे और किसी तरह दरवाजा खोल तो अंदर अंशिका केसरवानी का शव पंखे से लटकता मिला। शव देख परिजनों में कोहराम मच गया।

परिजन हत्या का आरोप लगाकर जमकर हंगामा करने लगे। उनका आरोप है कि अंशिका की हत्या कर उसे फांसी के फंदे पर टांग दिया गया है। मौके पर आसपास के रहने वाले लोगों की भीड़ जमा हो गई। आरोप है कि ससुराल पक्ष के लोगों ने बाहरी लोगों को भी मौके पर बुला लिया जिससे बात और आगे बढ़ गई। इसी बीच किसी ने मकान के निचले हिस्से को आग के हवाले कर दिया। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया और मकान के अंदर ऊपरी तल पर कई लोग फंसे रहे। काबू पाने की कोशिश में जुट गई। पुलिस ने आग की लपटों के बीच फंसे कई लोगों को रेस्क्यू कर सुरक्षित बाहर निकाला।वहीं, दूसरी ओर मायका पक्ष के लोगों ने पति पर आरोप लगाते हुए गिरफ्तारी की मांग को लेकर डटे रहे।

आधी रात को अतीक के गढ़ में हड़कंप, शाइस्ता के प्रयागराज आने की आहट

प्रयागराज : उमेश पाल हत्याकांड की आरोपी माफिया अतीक अहमद की पत्नी 50 हजार की इनामी शाइस्ता परवीन की तलाश फिर से तेज हो गई है। शाइस्ता के साथ ही अशरफ की पत्नी आरोपी जैनब फात्मा की तलाश में पुलिस ने सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया है। शाइस्ता और जैनब के धूमनगंज के हटवा गांव में छिपे होने की सूचना पर देर रात पुलिस टीमों ने ताबड़तोड़ छापेमारी की। एसीपी के नेतृत्व में चार टीमें हटवा गांव पहुंच गईं। आधी रात पुलिस टीमों ने हटवा गांव में अतीक–अशरफ के करीबी रहे कई लोगों के घर पूछताछ की।

फरमूद, अनवर और आसिफ समेत चार घरों से पूछताछ कर पुलिस टीमों ने हटवा गांव के दो और घरों में दबिश देकर शाइस्ता और जैनब के बारे में पूछताछ की। इसके बाद अतीक अहमद के मोहल्ले चकिया में भी दबिश दी गई। 4 घंटे तक चले सर्च ऑपरेशन में शाइस्ता और जैनब तो नहीं मिलीं लेकिन पुलिस को उनके बारे में कई अहम जानकारी मिली है।

प्रयागराज में उमेश पाल हत्याकांड के बाद से माफिया अतीक अहमद की पत्नी शाइस्ता परवीन और अशरफ की पत्नी जैनब फातिमा फरार चल रही है। पुलिस ने दोनों की कई संपत्तियां जब्त की और शाइस्ता को भगोड़ा घोषित करके डुगडुगी भी पिटवाई थी लेकिन तब से दोनों महिलाओं का कोई सुराग नही लगा। जैनब की आखिरी लोकेशन दिल्ली में मिली थी जबकि शाइस्ता की आखिरी लोकेशन हटवा गांव में अशरफ के ससुराल के पास मिली थी। लेकिन पुलिस की रेड से पहले ही वो निकल चुकी थी तब से साल भर बीत गया लेकिन दोनों नहीं पकड़ी गई।आधी रात के बाद धूमनगंज के अउढ वरुण कुमार को अतीक अहमद की फरार पत्नी के हटवा गांव में होने की सूचना मिली तो पुलिस ने आधी रात में ही तीन थानों की फोर्स के साथ पहले चकिया में गली–गली में जाकर कई घरों में दबिश दी। चकिया और हटवा गांव मे काफी देर तक लग्जरी कारों को बारीकी से चेक किया। पुलिस की ताबड़ तोड़ चेकिंग से आधी रात को अतीक के गढ़ में हड़कंप मच गया।

कानपुर में रोडवेज बस ने 3 पॉलीटेक्निक छात्रों को कुचला, फिर गड्ढे में गिरी तीनों की मौत

कानपुर के घाटमपुर थाना क्षेत्र में शुक्रवार सुबह एक दर्दनाक हादसा हो गया। यहां एक तेज रफ्तार रोडवेज बस ने साइकिल सवार 3 दोस्तों को कुचल दिया जिसे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। ये तीनों पॉलिटेक्निक छात्र थे। कुछ और छात्र भी बस की चपेट में आए हैं, उन्हें सड़क किनारे पानी से भरे गड् ?ढे में ढूंढा जा रहा है। वहीं, हादसे के बाद बस अनियंत्रित होकर सड़क किनारे गड्ढे में जा गिरी। पुलिस और राहत सेवा मौके पर मौजूद है।

जानकारी के अनुसार, घाटमपुर थाना क्षेत्र के पतारा रोड स्टेशन के पास एक रोडवेज बस ने साइकिल से जा रहे तीन छात्रों को कुचल दिया है इसके बाद सड़क किनारे गड्ढे में गिर गई। हादसे में तीनों छात्रों की मौत हो गई हैं। मृतकों में अंकुश प्रजापति, दीपक तिवारी और मनीष कुमार शामिल हैं, जिनकी पहचान उनके पास मिले पहचान पत्र से हुई है। इस घटना की सूचना जब परिजनों को मिली, तो परिवार में कोहराम मच गया। घटना से नाराज ग्रामीणों ने हंगामा शुरू कर दिया।

हादसे के बाद रोडवेज बस में सवार यात्रियों में हड़कंप मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। साथ ही, परिजनों को भी सूचित किया गया है। पुलिस ने क्रेन की मदद से बस को खाईं से बाहर निकलवाया।

आवश्कता, नाम परिवर्तन, खोया–पाया, सार्वजनिक सूचना विज्ञापन कम दरों में

सब का सपना क्लासीफाइड के साथ लाखों तक पहुँचाइये अपनी बात

अपना विज्ञापन बुक करवाने के लिये संपर्क करें
–94568843327

दिल से न निकलेगी मरकर भी वतन की उल्फ़त...

नई दिल्ली: देश को आजादी दिलवाने में जिन भारत माता के सपूतों ने अपने प्राणों का बलिदान दिया, उसमें सरदार भगत सिंह का नाम स्वर्णिम अक्षरों में दर्ज है।

आज यानी 23 मार्च को भगत सिंह की पुण्यतिथि है। 23 मार्च 1931 की शाम लाहौर जेल में सरदार भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु को फांसी दे दी गई थी।

एक दिन पहले दी गई थी फांसी

भगत सिंह और उनके साथियों को 24 मार्च को फांसी दी जानी थी, लेकिन उन्हें निर्धारित समय से 11 घंटे पहले फांसी दे दी गई। अंग्रेजों को ये डर था कि जनता विद्रोह कर सकती है, इसलिए उन्होंने 23 मार्च को ही भगत सिंह को फांसी पर लटका दिया। तीनों शहीदों का अंतिम संस्कार पहले जेल में ही होना था लेकिन बाद में अंग्रेजों को लगा कि जेल से उठने वाला धुंआ देखकर जनता उत्तेजित ना हो जाए,

इसलिए रातों रात जेल के पिछवाड़े की दीवार को तोड़ा गया और ट्रक के जरिए तीनों के पार्थिव शरीर को बाहर ले जाकर उसका अंतिम संस्कार कर दिया गया।शवों को सही से जलाया भी नहीं गया, अधजला ही नदी में फेंक दिया गया

मन्मथनाथ गुप्त की किताब 'हिस्ट्री ऑफ़ इंडियन रिवॉल्यूशनरी मूवमेंट' के मुताबिक, 'दो पुजारी सतलज नदी के तट पर शहीदों के पार्थिव शरीर का इंतजार कर रहे थे। जब ये शव वहां पहुंचे तो मृत शरीरों को चिता पर रखकर आग दे दी गई। लेकिन सुबह होने के साथ ही चिता की आग को बुझा दिया गया और आधे जले शवों को सतलज नदी में फेंक दिया गया। इसके बाद जैसे ही पुलिस और पुजारी वहां से चले गए तो गांव वाले पानी के अंदर घुसकर अधजले शरीर के टुकड़ों को बाहर निकाल लाए।

इस दौरान भगत सिंह एक गीत गा रहे थे, 'दिल से न निकलेगी मरकर भी वतन की उल्फ़त, मेरी मिट्टी से भी ख़ुशबू–ए–वतन आएगी।' इस दौरान उनके दोनों साथी उनके सुर में सुर मिला रहे थे।

इसके बाद फिर से उनका अंतिम संस्कार किया गया।' भगत सिंह और उनके दोनों साथी सुखदेव और राजगुरू को फांसी के लिए ले जाया जा रहा था। इस दौरान भगत सिंह एक गीत गा रहे थे, 'दिल से न निकलेगी मरकर भी वतन की उल्फ़त, मेरी मिट्टी से भी ख़ुशबू–ए–वतन आएगी।'

इस दौरान उनके दोनों साथी उनके सुर में सुर मिला रहे थे।फांसी के फंदे पर चढ़ने से पहले भगत सिंह ने फंदे को चूमा था। सतविंदर जस की किताब 'द एक्सेक्यूशन ऑफ़ भगत सिंह' में इस बात का जिक्रहै कि भगत सिंह ने फांसी के फंदे को खुद अपने गले में पहना था। वह चाहते थे कि देश के लिए अपनी जान की कुर्बानी दें, जिससे पूरे देश में अंग्रेजों से आजादी के लिए एक नया आंदोलन खड़ा हो जाए।

पैसों के बगैर नहीं चल सकती कोई भी पार्टी

चुनावी बॉन्ड पर नितिन गडकरी ने क्यों दिया ये बयान

नई दिल्ली : केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि बिना धन के राजनीतिक दल को चलाना संभव नहीं है और केंद्र ने चुनावी बॉण्ड योजना ''अच्छे इरादे'' से शुरू की थी। केंद्र सरकार द्वारा 2017 में लायी इस योजना को उच्चतम न्यायालय ने असंवैधानिक बताते हुए रद्द कर दिया है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता ने कहा कि यदि उच्चतम न्यायालय इस मामले पर और कोई निर्देश देता है तो सभी राजनीतिक दलों को एक साथ बैठने और इस पर विचार-विमर्श करने की आवश्यकता है। उन्होंने शुक्रवार को गांधीनगर के समीप गिफ्ट सिटी में एक मीडिया संगठन द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में ये टिप्पणियां कीं।

गडकरी ने चुनावी बॉण्ड के बारे में एक सवाल पर कहा, ''जब अरुण जेटली केंद्रीय वित्त मंत्री थे तो मैं चुनावी बॉण्ड से जुड़ी बातचीत का हिस्सा था। कोई भी पार्टी संसाधनों के बगैर नहीं चल सकती। कुछ देशों में सरकारें राजनीतिक दलों को चंदा देती है। भारत में ऐसी कोई व्यवस्था नहीं है इसलिए हमने राजनीतिक दलों के वित्त पोषण की इस व्यवस्था को चुना।'' उन्होंने कहा कि चुनावी बॉण्ड लाने के पीछे का मुख्य उद्देश्य यह था कि राजनीतिक दलों को सीधे चंदा मिले लेकिन दानदाताओं के नामों का खुलासा न किया जाए क्योंकि ''अगर सत्तारूढ़ दल बदलता है तो समस्याएं पैदा होंगी।''

> उच्चतम न्यायालय ने पिछले सप्ताह एक ऐतिहासिक फैसले में अप्रैल–मई में होने वाले लोकसभा चुनाव से पहले चुनावी बॉण्ड योजना रद्द कर दी। न्यायालय ने कहा कि यह योजना भाषण एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के संवैधानिक अधिकार के साथ ही सूचना के अधिकार का उल्लंघन करती है।

सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री ने कहा कि जैसे कि किसी मीडिया हाउस को एक कार्यक्रम के वित्त पोषण के लिए प्रायोजक की आवश्यकता होती है, उसी तरह राजनीतिक दलों को भी धन की जरूरत होती है। चुनावी बॉन्ड लाने के पीछे अच्छे इरादे

गडकरी ने कहा, ''आपको जमीनी हकीकत देखने की जरूरत है। पार्टियां चुनावी कैसे लड़ेंगी ? हम पारदर्शिता लाने के लिए चुनावी बॉण्ड की व्यवस्था लेकर आए थे। जब हम चुनावी बॉण्ड लाए थे तो हमारा इरादा अच्छा था। अगर उच्चतम न्यायालय को इसमें कमियां नजर आती हैं और वह हमें इसमें सुधार लाने के लिए कहता है तो सभी दल एक साथ बैठेंगे और सर्वसम्मति से इस पर विचार-विमर्श करेंगे।

'' उच्चतम न्यायालय ने पिछले सप्ताह एक ऐतिहासिक फैसले में अप्रैल-मई में होने वाले लोकसभा चुनाव से पहले चुनावी बॉण्ड योजना रद्द कर दी। न्यायालय ने कहा कि यह योजना भाषण एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के संवैधानिक अधिकार के साथ ही सूचना के अधिकार का उल्लंघन करती है।

दुमका ओडिशा में बीजेपी की बीजेडी से नहीं बनी बात, अब अकेले लड़ेगी चुनाव

भुवनेश्वर: लोकसभा और देश के चार राज्यों में विधानसभा चुनावों का ऐलान हो चुका है। इन चुनावों के लिए सभी राजनैतिक दलों ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। इसी बीच कुछ दिनों पहले खबर आई थी कि ओडिशा में भारतीय जनता पार्टी और बीजू जनता दल के बीच गठबंधन होने वाला है। हालांकि दोनों दलों के बीच गठबंधन पर बात नहीं बनी है। इसी क्रम में बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष मनमोहन सामल ने शुक्रवार को राज्य में अकेले चुनाव लड़ने का ऐलान कर दिया है। उन्होंने कहा कि लोकसभा की सभी 21 और विधानसभा की सभी 147 सीटों पर अकेले चुनाव लड़ेगी।

मनमोहन सामल ने शुक्रवार को एक्स पर पोस्ट कर कहा, ₹4.5 करोड़ ओडिशावासियों की आशा, अभिलाषा और आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में विकसित भारत तथा विकसित ओडिशा बनाने के लिए भारतीय जनता पार्टी इस बार लोकसभा की सभी 21 सीटों और विधानसभा की सभी 147 सीटों पर अकेले चुनाव लड़ेगी।₹ इससे पहले सामल ने यह भी कहा, ₹विगत 10 वर्षों से, नवीन पटनायक के नेतृत्व में ओडिशा की बीजू जनता दल (बीजेडी) केंद्र की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार के अनेक राष्ट्रीय महत्व के प्रसंगों में समर्थन देती आई है, इसके लिए हम उनका आभार व्यक्त करते हैं।

हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस को झटका, 6 बागियों ने थामा बीजेपी का दामन

नई दिल्ली: हिमाचल प्रदेश में लगातार बढ़ते राजनीतिक संकट के बीच कांग्रेस के 6 पूर्व विधायक शनिवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गए। उन्हें कांग्रेस के एक व्हिप की अवज्ञा करने के बाद विधायक पद से अयोग्य करार दिया गया था। वे केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर, हिमाचल प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर और भाजपा की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष राजीव बिंदल की उपस्थिति में पार्टी में शामिल हो गए। इन पूर्व विधायकों का पार्टी में स्वागत करते हुए ठाकुर ने कहा कि उनकी उपस्थिति से भाजपा और मजबूत होगी।

उन्होंने राज्य में कांग्रेस सरकार पर अपने वादों को पूरा न करने का आरोप लगाया जिससे लोगों के बीच आक्रोश है। ठाकुर ने कहा कि इन नेताओं ने हाल में हुए राज्यसभा चुनाव में भाजपा का समर्थन किया था जो कांग्रेस के खिलाफ ''जन आक्रोश'' को दर्शाता है।

ये विधायक भाजपा में शामिल

कांग्रेस के जो 6 बागी विधायक भाजपा में शामिल हुए हैं, वे सुधीर शर्मा, रवि ठाकुर, राजेंद्र राणा, इंद्र दत्त लखनपाल, चैतन्य शर्मा और देवेंद्र कुमार भुट्टो हैं। ये सभी कांग्रेस के टिकट पर निर्वाचित हुए थे और उन्हें हिमाचल प्रदेश विधानसभा में उपस्थित रहने तथा कटौती प्रस्ताव व बजट के दौरान राज्य सरकार के पक्ष में मतदान करने के पार्टी के एक व्हिप की अवज्ञा करने के लिए 29 फरवरी को अयोग्य करार दिया गया था। निर्वाचन आयोग ने इनके निर्वाचन क्षेत्रों के लिए उपचुनाव की घोषणा की है और वे भाजपा उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ सकते हैं। तीन निर्दलीय विधायकों – आशीष शर्मा, होशियार सिंह और के एल ठाकुर ने शुक्रवार को अपने इस्तीफे सौंपे। उनके भी जल्द ही भाजपा में शामिल होने की संभावना है।

दिल्ली शराब घोटाला मामले में के. कविता को झटका

नई दिल्ली: सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को इफ्र की नेता के.कविता को जमानत देने से इनकार कर दिया। बता दें कि कविता को दिल्ली आबकारी नीति घोटाले के मामले में एऊ ने गिरफ्तार किया है। जस्टिस संजीव खन्ना, जस्टिस एम. एम. सुंदरेश और जस्टिस बेला एम. त्रिवेदी की बेंच ने कविता से निचली अदालत में जाने को कहा। बेंच ने कहा कि यह एक प्रक्रिया है जिसका यह अदालत पालन कर रही है और वह प्रोटोकॉल को नजरअंदाज नहीं कर सकती।

कोर्ट ने एऊको भी जारी किया नोटिस

बेंच ने कहा कि जहां तक ढटछअ के प्रावधानों को चुनौती देने वाली कविता की याचिका है, अदालत एऊको नोटिस जारी कर रही है और 6 हफ्ते में उससे जवाब देने को कह रही है। कविता की ओर से पैरवी कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल से बेंच ने कहा, 'प्रावधानों को चुनौती देने वाली याचिका लंबित मामलों के साथ ली जाएगी।' सिब्बल ने शुरुआत में कहा कि सरकारी गवाह के बयान के आधार पर लोगों को गिरफ्तार किया जा रहा है। बेंच ने कहा कि इस समय वह मामले के गुण-दोषों पर विचार नहीं कर रही।23 मार्च तक एऊकी हिरासत में हैं कविता

तेलंगाना विधान परिषद की सदस्य और पूर्व मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव की बेटी कविता को 15 मार्च को गिरफ्तार किया गया था और 23 मार्च तक एऊ की हिरासत में भेज दिया गया। बता दें कि एऊ ने आबकारी नीति घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गुरुवार को दो घंटे की पूछताछ के बाद दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को भी उनके घर से गिरफ्तार कर लिया। इससे पहले दिल्ली हाई कोर्ट ने गुरुवार को ही मामले में केजरीवाल को एऊद्वारा किसी 'दंडात्मक कार्रवाई' के खिलाफ अंतरिम सुरक्षा देने से इनकार कर दिया था।

पश्चिम बंगाल और पंजाब के कई डीएम और एसएसपी बदले

नई दिल्ली: लोकसभा चुनावों से पहले चुनाव आयोग जिले के डीएम और पुलिस अधिकारियों का तबादला कर रहा है। इसी क्रम में चुनाव आयोग ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल के चार जिलों के जिलाधिकारी और पंजाब के पांच जिलों के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बदल दिए हैं। पंजाब के मुख्य निर्वाचन अधिकारी सिबिन सी. ने शुक्रवार को कहा कि निर्वाचन आयोग ने राज्य में पांच वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) नियुक्त किए हैं।

इसके साथ ही दीपक पारीक को बठिंडा और अंकुर गुप्ता को जालंधर ग्रामीण में एसएसपी नियुक्त किया गया है। मलेरकोटला में सिमरत कौर, पठानकोट में सुहैल कासिम मीर और फाजिल्का में प्रज्ञा जैन को एसएसपी नियुक्त किया गया है। वहीं पश्चिम बंगाल में बीरभूम, पूर्वी बर्धमान, झाड़ग्राम और पूर्वी मिदनापुर में नायेर जिलाधिकारियों की नियुक्ति की है।

आयोग ने पूर्वी मिदनापुर में जोयोशी दास गुप्ता, झाड़ग्राम में मौमिता बासु, पूर्वी बर्धमान में के. राधिका अय्यर और बीरभूम में शशांक सेठी को नया डीएम बनाया है। बता दें कि गुरुवार को चुनाव आयोग ने पूर्व मेदिनीपुर, झाड़ग्राम, पूर्व बर्द्धमान और बीरभूम के जिलाधिकारियों (डीएम) को हटाने का आदेश दिया था। हटाए गए चारों जिलाधिकारी गैर आइएएस कैडर यानी पश्चिम बंगाल सिविल सेवा कैडर से थे।

> चार जिलों के जिलाधिकारी और पंजाब के पांच जिलों के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बदल दिए हैं। पंजाब के मुख्य निर्वाचन अधिकारी सिबिन सी. ने शुक्रवार को कहा कि निर्वाचन आयोग ने राज्य में पांच वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) नियुक्त किए हैं।

संक्षेप खबरें

चीन से मुंबई लाया गया वॉन्टेड गैंगस्टर प्रसाद पुजारी, शिवसेना नेता पर फायरिंग में भी आया था नाम

मुंबई: देश की सुरक्षा एजेंसियों को बीस साल से फरार एक गैंगस्टर को भारत लाने में कामयाबी मिली है। प्रसाद पुजारी नाम के गैंगस्टर को चीन से मुंबई लाया गया है। बता दें कि पुजारी के खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस जारी किया गया था। गैंगस्टर प्रसाद पुजारी मुंबई पुलिस की लिस्ट में मोस्ट वांटेड गैंगस्टर्स में से एक है। प्रसाद पुजारी के खिलाफ मुंबई में हत्या और उगाही के कई मामले दर्ज हैं। इंटरपोल ने प्रसाद पुजारी के खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस जारी किया हुआ था। उसके खिलाफ आखिरी केस साल 2020 में मुंबई में दर्ज हुआ था।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, प्रसाद पुजारी भारत से फरार होकर चीन पहुंच गया था। भारतीय एजेंसियों की पकड़ से बचने के लिए पुजारी ने एक चीनी महिला से शादी भी कर ली थी, जिससे उसके एक बच्चा भी है। मुंबई क्राइम ब्रांच ने पुजारी की मां को 2020 में गिरफ्तार किया था। जांच एजेंसियों की कड़ी मशक्कत के बाद आखिरकार उसे आज चीन से भारत डिपोर्ट किया गया। मुंबई पहुंचते गैंगस्टर पुजारी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया और आज उसे कोर्ट में पेश किया जाएगा। पुजारी ने कुछ साल पहले शिवसेना के एक नेता पर भी जानलेवा हमला करवाया था। फायरिंग में बाल-बाल बचे थे जाधव

बता दें कि गैंगस्टर प्रसाद पुजारी ने शिवसेना के जिस नेता पर हमला किया था उसका नाम चंद्रकांत जाधव था। विक्रोली इलाके में रहने वाले जाधव के ऊपर फायरिंग की गई थी। हालांकि जाधव की किस्मत अच्छी थी क्योंकि फायरिंग मे गोली उन्हें छूकर निकल गई थी जिससे उनकी जान बच गई थी।

कांग्रेस ने 56 उम्मीदवारों की तीसरी सूची जारी की, खरगे के दामाद को मिला टिकट

नई दिल्ली: कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव के लिए बृहस्पतिवार को 56 उम्मीदवारों की तीसरी सूची जारी कर दी जिसमें अधीर रंजन चौधरी समेत कई प्रमुख नेताओं के नाम शामिल हैं। चौधरी को उनके वर्तमान संसदीय क्षेत्र बहरामपुर (पश्चिम बंगाल) से एक बार फिर उम्मीदवार बनाया गया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के दामाद राधाकृष्ण को कर्नाटक के गुलबर्गा से टिकट दिया गया है। यहां से खरगे भी सांसद रह चुके हैं।

अब तक 138 उम्मीदवारों का ऐलान कांग्रेस लोकसभा चुनाव के लिए अब तक 138 उम्मीदवारों की घोषणा कर चुकी है। उसने पहली सूची में 39 और दूसरी सूची में 43 उम्मीदवार घोषित किए थे। कांग्रेस की ओर से जारी उम्मीदवारों की तीसरी सूची के अनुसार, अरणाचल प्रदेश की दो सीट, गुजरात की 11, कर्नाटक की 17, महाराष्ट्र की सात, राजस्थान की पांच, तेलंगाना की पांच, पश्चिम बंगाल की आठ और पुडुचेरी की एकमात्र सीट के लिए प्रत्याशी घोषित किए गए हैं।अरुणाचल प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रमुख नबाम तुकी को अरुणाचल पश्चिम से उम्मीदवार बनाया गया है। गुजरात प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष अमित चावणा को आणंद और वरिष्ठ नेता सुखराम राठवा को छोटा उदयपुर से उम्मीदवार घोषित किया गया .

भारत ने जनसंख्या पर पाया काबू, 2 फीसद से नीचे आई जन्मदर

नई दिल्ली: भारत ने जनसंख्या पर बड़ा नियंत्रण हासल किया है। लांसेंट की एक रिपोर्ट के अनुसार भारत की प्रजनन दर 1950 में लगभग 6.2 थी जो 2021 में घटकर 2 से कम हो गई है। वर्ष 2050 और 2100 में इसके घटकर क्रमशः 1.29 और 1.04 होने का अनुमान है।

शोध पत्रिका 'लांसेट' में प्रकाशित एक अध्ययन में यह कहा गया है। ये संख्याएं वैश्विक प्रवृत्ति के अनुरूप हैं, जहां कुल प्रजनन दर (टीएफआर) 1950 में प्रति महिला 4.8 बच्चों से अधिक थी और 2021 में घटकर 2.2 बच्चे प्रति महिला हो गई।

इन आंकड़ों के क्रमशः 2050 और 2100 में घटकर 1.8 और 1.6 होने का अनुमान जताया गया है। अध्ययन में कहा गया है कि 2021 में दुनिया भर में 12.9 करोड़ बच्चों का जन्म हुआ। अध्ययन के मुताबिक 1950 में 9.3 करोड़ और 2016 में सबसे ज्यादा 14.2 करोड़ बच्चों का जन्म हुआ। भारत में, 1950 और 2021 में 1.6 करोड़ से अधिक और 2.2 करोड़ से ज्यादा बच्चों का जन्म हुआ।

दुनिया भर में मनाया जा रहा है 'विश्व भालू दिवस', यूपी में है इन बेजुबानों का सबसे बड़ा संरक्षण केंद्र

नई दिल्ली: पूरी दुनिया में हर साल की तरह इस साल भी 23 मार्च को 'विश्व भालू दिवस' मनाया जा रहा है। यह दिन भालुओं के प्रति जागरूकता और सराहना बढ़ाने के लिए समर्पित है। आगरा स्थित विश्व के सबसे बड़े संरक्षित भालू केंद्र में 100 भालू चैन और आनंद की जिंदगी बसर कर रहे हैं। बता दें कि 20 साल पहले इनकी संख्या 500 से ज्यादा होती थी।

वन्यजीव संरक्षण संस्था,

वाइल्डलाइफ एसओएस के आगरा भालू संरक्षण केंद्र में पुनर्वासित स्लॉथ भालुओं को प्यार और देखभाल प्रदान करने के लिए संस्था की समर्पित टीम अपना कार्य जारी रखे हुए है। ताज सिटी में सूर सरोवर क्षेत्र में स्थापित ये विश्व स्तर पर सबसे बड़ा स्लॉथ भालुओं के लिए बचाव और पुनर्वास केंद्र है।

1995 में स्थापित वाइल्डलाइफ एसओएस, पर्यटकों के मनोरंजन के लिए सड़कों पर भालूओं को नचाने की क्रूर और बर्बर प्रथा को खत्म करने के लिए जानी जाती है। 'कलंदर' नाम से जानी जाने वाली जनजाति भालू के बच्चों को शिकारियों से खरीदकर इनका शोषण करती थी। यह भालुओं पर भयानक क्रूरता करती थी, जिसमें उनकी नाजुक थूथन को गर्म लोहे के नुकीली रॉड से छेदना और उन्हें पैसे कमाने के लिए प्रदर्शन करने के लिए मजबूर करना शामिल था। यह प्रथा न केवल अमानवीय थी बल्कि वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972 के तहत अवैध भी थी। इन वर्षों में वाइल्डलाइफ एसओएस ने 628 स्लॉथ भालुओं को इस तरह के शोषण से बचाया है, जिसमें आखिरी भालू को 2009 में सड़कों पर तमाशा दिखाने से बचाया गया था।

बता दें कि यह संस्था पूरे भारत में 4 स्लॉथ भालू बचाव और पुनर्वास केंद्र संचालित करती है, जिसमें आगरा भालू संरक्षण केंद्र अपनी तरह का सबसे बड़ा है। वर्तमान में, आगरा भालू संरक्षण केंद्र लगभग 100 बचाए गए डांसिंग स्लॉथ भालुओं का घर है, जो उन्हें अपने दर्दनाक अतीत से उबरने के लिए एक सुरक्षित आश्रय प्रदान करता है। भालुओं को समर्पित पशु चिकित्सकों और पशु देखभाल कर्मचारियों से विशेष देखभाल मिलती है।

वाइल्डलाइफ एसओएस के सह-संस्थापक और सीईओ कार्तिक सत्यनारायण ने कहा, 'आगरा भालू संरक्षण केंद्र में प्रत्येक दिन की शुरुआत दलिया के पौष्टिक भोजन के साथ होती है।' सत्यनारायण ने कहा, 'इसके बाद उन्हें फल और शाम को फिर से दलिया परोसा जाता है। उनके शरीर और दिमाग को तीव्र रखने के लिए, भालुओं को उनके जंगली बाड़ों में विभिन्न एनरिचमेंट प्रदान किए जाते हैं, जिससे उनके जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए प्राकृतिक व्यवहार को बढ़ावा मिलता है।' वहीं, संस्था के डायरेक्टर कंजर्वेशन प्रोजेक्ट्स बैजूराज एम.वी. ने कहा, 'आहार संबंधी देखभाल के अलावा, भालुओं को उनके समग्र स्वास्थ्य और शक्ति के लिए मल्टीविटामिन और लिवर टॉनिक भी दी जाती है। इन व्यापक प्रयासों के माध्यम से वाइल्डलाइफ एसओएस का लक्ष्य इन भालुओं को शोषण और पीड़ा से मुक्त होकर जीवन का दूसरा मौका देना है।'

> उनके शरीर और दिमाग को तीव्र रखने के लिए, भालुओं को उनके जंगली बाड़ों में विभिन्न एनरिचमेंट प्रदान किए जाते हैं, जिससे उनके जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए प्राकृतिक व्यवहार को बढ़ावा मिलता है।' वहीं, संस्था के डायरेक्टर कंजर्वेशन प्रोजेक्ट्स बैजूराज एम.वी. ने कहा, 'आहार संबंधी देखभाल के अलावा, भालुओं को उनके समग्र स्वास्थ्य और शक्ति के लिए मल्टीविटामिन और लिवर टॉनिक भी दी जाती है।

संपादकीय

निष्पक्ष जांच की जरूरत

देश की मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस के प्रमुख नेताओं ने गुरुवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस करके सरकार पर जो आरोप लगाए, वे गंभीर हैं। हालांकि विपक्षी पार्टी होने के नाते कांग्रेस सरकार पर तमाम तरह के आरोप लगाती रहती है, फिर भी देश में चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता और प्रामाणिकता पर सवाल उठाने वाले इन आरोपों की अनदेखी नहीं होनी चाहिए।

बड़े नेता एक मंच पर : आरोपों की गंभीरता इसे सार्वजनिक करने के पार्टी के अंदाज से भी झलकती है। यह पहला मौका है जब पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी व राहुल गांधी ने एक साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस की। आम चुनावों की घोषणा के बाद चुनावी प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। इस बीच, देश की मुख्य विपक्षी पार्टी आरोप लगाए कि उसे चुनाव लड़ने और प्रचार करने की स्थिति में नहीं छोड़ा जा रहा तो उस पर पूरी तस्वीर साफ होनी चाहिए।

> पार्टी ने कहा कि आयकर विभाग के अधिकारियों के जरिए सरकार ने मुख्य विपक्षी पार्टी को वित्तीय तंगी के उस हाल में पहुंचा दिया है कि वह न तो कहीं विज्ञापन दे सकती है, न अपने नेताओं के लिए हवाई यात्रा के टिकट बुक कर सकती है और न ही रैलियां आयोजित कर सकती है।

सत्तापक्ष से टकराव : यह बात सही है कि लोकतंत्र में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तकरार कोई नई चीज नहीं है। लेकिन मतभेदों के बीच भी सत्तापक्ष और विपक्ष में संवाद की निरंतरता लोकतंत्र की सेहत के लिए जरूरी मानी जाती है। अफसोस की बात है कि कुछ समय से दोनों के बीच का टकराव संवाद को बाधित करने की हद तक पहुंच गया है।

इरादों पर सवाल : कांग्रेस नेताओं ने गुरुवार को जो आरोप लगाए, उनमें तल्खी थी। पार्टी ने कहा कि आयकर विभाग के अधिकारियों के जरिए सरकार ने मुख्य विपक्षी पार्टी को वित्तीय तंगी के उस हाल में पहुंचा दिया है कि वह न तो कहीं विज्ञापन दे सकती है, न अपने नेताओं के लिए हवाई यात्रा के टिकट बुक कर सकती है और न ही रैलियां आयोजित कर सकती है।

सभी पक्षों पर गौर : हालांकि ये सब अभी महज एक पार्टी के आरोप मात्र हैं। इन पर सत्तारूढ़ दल, सरकार और संबंधित विभागों व उनसे जुड़े अधिकारियों का अपना पक्ष है। किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले इन सभी पक्षों पर अच्छी तरह गौर करने की जरूरत है। लेकिन यह समझना जरूरी है कि किसी को लोकतांत्रिक व्यवस्था के साथ खिलवाड़ करने या चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता को प्रभावित करने की छूट नहीं दी जा सकती।

निष्पक्ष जांच हो : अगर कांग्रेस के खाते में कोई गड़बड़ी है तो उसकी निष्पक्ष जांच होनी ही चाहिए, लेकिन वह इस तरह से हो कि चुनाव लड़ने की प्रक्रिया पर प्रभाव न पड़े। किसी भी तरह से यह संदेश न जाए कि किसी विभाग के अफसर प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से विपक्षी दल को निशाना बना रहे हैं। याद रहे कि इस तरह के कदम दुनिया में एक लोकतंत्र के रूप में भारत की साख को प्रभावित कर सकते हैं।

2024 का लोकसभा चुनाव बहुत खास है

अनिल कुमार

ऐसा नहीं है कि उत्तरार्द्ध वादे पूरे नहीं कर रहे हैं। दोनों पक्षों से अपेक्षा करें कि वे एक–दूसरे की लाभ योजनाओं में कमियां निकालें। इतनी सारी पेशकश के साथ, कल्याण आवश्यक हो सकता है लेकिन जीतने के लिए पर्याप्त शर्त नहीं। यहीं पर जाति आती है। बीजेपी ने स्लाइसिंग और डाइसिंग को एक अच्छी कला बना दिया है। विपक्ष को अभी काफी कुछ करना बाकी है।

लोकसभा चुनावों की तारीखें घोषित किए जाने के साथ ही जैसी कि उम्मीद थी, सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच बयानबाजी और तेज हो गई। सत्ता पक्ष और विपक्ष की इस नोक–झोंक को लोकतंत्र की खूबसूरती मानकर नजरअंदाज कर दिया जाए तो भी इन चुनावों से जुड़े कई अहम पहलू हैं, जो इसे खास बनाते हैं। 20वीं सदी का अंतिम दशक अगर राजनीतिक अस्थिरता का पर्याय बन गया था तो 21वीं सदी अपने साथ स्थिरता लेकर आई। न केवल अटल बिहारी वाजपेयी की अगुआई वाली सरकार ने अपना कार्यकाल पूरा किया बल्कि उसके बाद पहले डॉ. मनमोहन सिंह और फिर नरेंद्र मोदी की अगुआई वाली सरकारों ने देश को लगातार 10–10 साल का शासन दिया।

मंदिर की राजनीति तब तक अपनी चमक खो चुकी थी जब तक मोदी ने इसे जनवरी में एक भव्य समारोह के माध्यम से सामने और केंद्र में नहीं ला दिया। इसने बीजेपी के हिंदुत्व की नैया पार लगा दी है। बीजेपी की राजनीति इसी तरह के अन्य 'कारणों' से भी संचालित होती हैं। ऐसे में मंदिर के साथ ही नगरिकता संशोधन अधिनिय के साथ ही ज्ञानवापी के अंदर पूजा की बहाली, जम्मू–कश्मीर का विशेष दर्जा खत्म करना, 'सांस्कृतिक पुनरुद्धार' के बारे में सामान्य शोर... ये सभी और बहुत कुछ बीजेपी के लिए इस बार के चुनावों में लिए एक ठोस पिच बनाने का मौका दे रहे हैं। बीजेपी को उम्मीद है कि हिंदू पहुंच विपक्ष के जाति जनगणना नाटकों पर भारी पड़ेगी। राम मंदिर मोदी की व्यक्तिगत विश्वसनीयता को भी बढ़ाता है।

सीएए नियम नोटिफाई हो गए हैं। इस पर राजनीति शुरू हो गई है, लेकिन इसका बंगाल के सीमावर्ती क्षेत्रों के बाहर और असम के कुछ हिस्सों में चुनावों पर क्या प्रभाव पड़ेगा ? यह बंगाल में खेला जाएगा, यह सीएए से लाभान्वित होने वाले दलित समुदाय मतुआ तक ममता की पहुंच से स्पष्ट है। असम में बांग्लाभाषी खुश होंगे, असमियाभाषी नाराज होंगे। अन्य जगहों पर, सीएए का प्रभाव इस बात पर निर्भर करेगा कि भाजपा हिंदू 'भावना' को बढ़ावा देने के लिए इसका कितना उपयोग कर सकती है। वहीं, विपक्ष इसका उपयोग ध्रुवीकरण की बात करने के लिए कर सकता है। विपक्ष का काम कठिन है।

जांच एजेंसियों ने कभी भी राजनीतिक चर्चा में इतना ध्यान नहीं दिया। बीजेपी का कहना है कि अधिकांश विपक्षी नेता भ्रष्ट हैं और इसलिए यह सही है कि वे सीबीआई/ईडी के दायरे में हैं। विपक्ष का कहना है कि ये बीजेपी की बदले की राजनीति है. इसमें यह भी कहा गया है कि जो नेता भाजपा के प्रति निष्ठा बदल लेते हैं, उनका सफाया हो जाता है। बीजेपी का कहना है कि विपक्षी नेताओं पर छापे में मिली सारी नकदी और कीमती सामान पर नजर डालें। विधानसभा चुनावों में इसका क्या असर होगा, यह इस बात पर भी निर्भर करता है कि आप किससे बात करते हैं। इसलिए, लोकसभा चुनावों पर प्रभाव का अनुमान लगाना कठिन है। लेकिन उम्मीद है कि दोनों तरफ से बयानबाजी होगी, जिसका फायदा शायद मोदी को होगा।पीएम मोदी ने दूसरों की गलतियों से सीखा है। 2004 में वाजपेयी ने डीएमके और पासवान को दूर कर दिया और इसकी कीमत चुकाई। मोदी, 2024 में, पसंदीदा होने के बावजूद और भारतीय गठबंधन की सभी दिखाई देने वाली समस्याओं के बावजूद, नीतीश से लेकर नायडू तक, एनडीए के बिछड़े हुए सहयोगियों को वापस लाने के लिए के जुटे हुए हैं। उन्होंने जनता दल जैसे पुराने दुश्मनों को भी गले लगा लिया है। बीजेडी के साथ बातचीत अभी भी जारी होती दिख रही है। उत्तर प्रदेश, दिल्ली, तमिलनाडु, बिहार, महाराष्ट्र में सीटों के बंटवारे के बावजूद इंडिया गठबंधन अव्यवस्थित दिख रहा है।

जब मुद्रास्फीति या आम भाषा में कहें कि महंगाई की बात आती है तो मोदी अपने अधिकांश पूर्ववर्तियों की तुलना में अधिक सतर्क रहते हैं। उन्होंने खुदरा ईंधन की कीमतों को महीनों तक स्थिर रखा, फिर तीन दिन पहले कीमतें कम कीं। एलपीजी की कीमतों में बार–बार कटौती की। खाद्य निर्यात पर एक से अधिक बार प्रतिबंध लगाया। 80 करोड़ भारतीयों को मुफ्त अनाज दिया। उन्होंने अर्थशास्त्रियों की आलोचना की परवाह नहीं की। कुछ प्रकार की खाद्य मुद्रास्फीति बनी हुई है, लेकिन, कुछ झटकों को छोड़कर, यह एक बड़ा राष्ट्रीय कारक होने की संभावना नहीं है जो विपक्ष के लिए भूमिका निभाएगा। मोदी ने जो एक स्मार्ट काम किया, वह मांग–प्रेरित मुद्रास्फीति से बचते हुए, महामारी घाटे के वित्तपोषण को मध्यम रखना था।

संभावित रूप से, विपक्ष का सबसे शक्तिशाली आर्थिक हथियार। नौकरी की समस्या है। यहां तक कि भारत सरकार के आंकड़ों से पता चलता है कि कई 'रोज़गार' भारतीय या तो स्व–रोज़गार में हैं या अवैतनिक, घरेलू रोज़गार में हैं। निजी डेटा एक गंभीर तस्वीर पेश करता है। कुछ सरकारी नौकरियों के लिए अंधी दौड़, विदेशों में कम/मध्यम कौशल वाली नौकरियां खोजने की होड़, विनिर्माण की बढ़ती पूंजी तीव्रता, जिसका अर्थ है निवेश की प्रति इकाई कम नौकरियां, कौशल की कमी जो कई भारतीयों को विभिन्न नौकरियों के लिए अनुपयुक्त बनाती है – वे सभी मुद्दे हैं। लेकिन भारतीय चुनावों में नौकरियां कभी भी अपने आप में एक बड़ा निर्धारण कारक नहीं रही हैं।

जाती रहती है। जनता पार्टी के टूटने के बाद इंदिरा गांधी इस पर सवार हुईं, और उनकी हत्या के बाद राजीव गांधी भी इसी पर सवार हुए। तब अस्थिर और/या अराजक गठबंधनों ने भारत को चलाया। इसका अंत मनमोहन सिंह के 'गठबंधन की मजबूरियों' वाले बयान के साथ हुआ। मोदी 2014 और 2019 में स्थिरता पर सवार रहे। 2024 में, वह मतदाताओं को बताएंगे कि एक मजबूत भारत को एक स्थिर सरकार की जरूरत है। 'रैगटैग' या अव्यवस्थित सरकार को संभालने के लिए बाहरी चुनौतियां बहुत अधिक हैं। विपक्ष कहेगा कि 'मज़बूत' का मतलब है 'सत्तावादी' और कुछ वर्गों, क्षेत्रों का 'अशक्तीकरण' है। अब सवाल है कि किस पार्टी को कहां मिलेगा मतदाताओं का समर्थन ? मोदी को इसमें महारत हासिल है। अब उसे 'कल्याण की गारंटी' है। बीजेपी का जातिगत गणित उसके आलोचकों को भी प्रभावित करता है। कल्याण के मामले में, उन्होंने अब तक अधिकांश स्थानों पर कांग्रेस और क्षेत्रीय दलों को पछाड़ दिया है। ऐसा नहीं है कि उत्तरार्द्ध वादे पूरे नहीं कर रहे हैं। दोनों पक्षों से अपेक्षा करें कि वे एक–दूसरे की लाभ योजनाओं में कमियां निकालें। इतनी सारी पेशकश के साथ, कल्याण आवश्यक हो सकता है लेकिन जीतने के लिए पर्याप्त शर्त नहीं। यहीं पर जाति आती है। बीजेपी ने स्लाइसिंग और डाइसिंग को एक अच्छी कला बना दिया है। विपक्ष को अभी काफी कुछ करना बाकी है।

बिजनेस

31 मार्च के बाद भी प्याज का नहीं हो सकेगा निर्यात, जारी रहेगा बैन

नई दिल्ली: सरकार ने घरेलू उपलब्धता बढ़ाने और कीमतों को नियंत्रण में रखने के लिए प्याज के निर्यातपर प्रतिबंध को अगले आदेश तक बढ़ा दिया है। वाणिज्य मंत्रालय ने इस संबंध में एक अधिसूचना जारी की है। इससे पहले इस साल 31 मार्च तक प्याज के निर्यात पर रोक लगाई गई थी। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने 22 मार्च को एक अधिसूचना में कहा, "प्याज के निर्यात पर 31 मार्च 2024 तक लगाए गए प्रतिबंध को अगले आदेश तक बढ़ा दिया गया है।" डीजीएफटी, वाणिज्य मंत्रालय की एक शाखा है, जो निर्यात और आयात से संबंधित मुद्दों पर फैसले करती है। सरकार ने आठ दिसंबर 2023 को प्याज के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया। रबी सत्र, 2023 में प्याज का उत्पादन 2.27 करोड़ टन रहने का अनुमान है।

अंतर–मंत्रालयी समूह से मंजूरी मिलने के बाद मित्र देशों को प्याज के निर्यात की अनुमति कुछ विशेष मामलों में दी जाती है। सरकार ने राष्ट्रीय सहकारी निर्यात लिमिटेड (एनसीईएल) के जरिए संयुक्त अरब अमीरात और बांग्लादेश को 64,400 टन प्याज के निर्यात की

अनुमति दी है। इससे पहले, केंद्र ने अक्टूबर 2023 में उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए खुदरा बाजारों में 25 रुपये प्रति किलोग्राम की रियायती दर पर बफर प्याज स्टॉक की बिक्री बढ़ाने का फैसला किया था।

देश में बढ़ती हुई प्याज की कीमतों को देखते हुए केंद्र सरकार ने दिसंबर, 2023 में इसके एक्सपोर्ट पर प्रतिबंध लगा दिया था। इस प्रतिबंध की मियाद 31 मार्च, 2024 तक थी। अब सरकार ने अगले आदेश तक इसे बढ़ा दिया है। अब नई फसल भी बाजार में आने लगी है। जब से सरकार ने प्याज के निर्यात पर प्रतिबंध लगाया है कीमतें आधे से भी कम रेट पर आ चुकी हैं।

दुनिया का सबसे खुशहाल देश जहां रोजाना एक किलो से ज्यादा दूध पी जाता है हर आदमी

नई दिल्ली: यूएन ने हाल में खुशहाल देशों की एक लिस्ट जारी की थी। इसमें फिनलैंड को लगातार सातवें साल पहला स्थान मिला है। फिनलैंड नॉर्डिक इलाके का देश है। नॉर्डिक क्षेत्र उत्तरी यूरोप और नॉर्थ अटलांटिक का भौगोलिक और सांस्कृतिक इलाका है। इसमें डेनमार्क, फिनलैंड, आइसलैंड, नॉर्वे और स्वीडन शामिल हैं। फिनलैंड के बारे में एक फैक्ट यह भी है कि दुनिया में दूध की प्रति व्यक्ति सबसे ज्यादा खपत इसी देश में है। इस देश में दूध की सालाना प्रति व्यक्ति खपत 430 किलो है। यानी हर आदमी रोजाना एक किलो से अधिक दूध पी जाता है। अगर भारत के हिसाब से देखें तो फिनलैंड में दूध की प्रति व्यक्ति खपत करीब पांच गुना ज्यादा है।

मुताबिक प्रति व्यक्ति दूध के खपत के मामले में फिनलैंड के बाद दूसरे नंबर पर मोंटेनेग्रो है। इस देश में दूध की पर कैपिटा सालाना खपत 249 किलो है। मिल्क कंजम्पशन में टॉप 10 देशों में नौ देश यूरोप के हैं। नीदरलैंड में प्रति व्यक्ति सालाना दूध की खपत 341 किलो, स्वीडन में 341 किलो, स्विट्जरलैंड में 318 किलो, अल्बानिया में 303 किलो, लिथुआनिया में 295 किलो, आयरलैंड में 291 किलो, कजाखस्तान में 288 किलो, एस्तोनिया में 284 किलो, डेनमार्क में 277 किलो और नॉर्वे में 261 किलो है। दुनिया की सबसे बड़ी इकॉनमी में प्रति व्यक्ति दूध की सालाना खपत 254 किलो, ऑस्ट्रेलिया में 234 किलो और ब्रिटेन में 232 किलो है।

भारत दूध उत्पादन में दुनिया में पहले नंबर पर है। दुनिया के कुल दुग्ध उत्पादन में 24.64% हिस्सेदारी है। पिछले नौ साल में इसमें सालाना 5.85% की रफ्तार से तेजी आई है। 2014–15 में देश में दूध का उत्पादन 146.31 मिलियन टन था जो 2022–23 में 230.58 मिलियन टन पहुंच गया। लेकिन प्रति व्यक्ति खपत के मामले में भारत दुनिया में काफी पीछे है। देश में दूध की प्रति व्यक्ति खपत 84 किलो है। पाकिस्तान इस मामले में भारत से कहीं आगे है। वहां प्रति व्यक्ति दूध की सालाना खपत 183 किलो है।

घटेगी महंगाई, इकॉनमी के लिए अच्छा होगा अगला वित्त वर्ष

नई दिल्ली: ग्लोबल ग्रोथ सुस्त होने के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था दमदार बनी हुई है। आने वाले महीनों में महंगाई घटने के आसार हैं। प्राइवेट इनवेस्टमेंट एक्टिविटी बढ़ रही है, प्राइवेट कंजम्पशन डिमांड मजबूत हो रही है और बेरोजगारी घट रही है। इंडियन इकॉनमी के लिए फाइनैंशल ईयर 2025 अच्छा होने की उम्मीद है। हालांकि अगले वित्त वर्ष में करंट अकाउंट डेफिसिट पर नजर रखनी होगी। शुक्रवार को जारी किए गए फरवरी के मंथली इकनॉमिक रिव्यू में फाइनैंस मिनिस्ट्री ने ये बातें कहीं। रिव्यू में मिनिस्ट्री ने कहा, 'पिछली दो तिमाहियों में रफ्तार के बाद भारत की इकनॉमिक ग्रोथ वित्त वर्ष 2024 की तीसरी तिमाही में 6 तिमाहियों के ऊंचे स्तर पर पहुंच गई। लगातार तीसरी बार यह 8% से अधिक रही। मजबूत

> छोटे शहरों और कस्बों में घरों की मांग बढ़ रही है। इससे कंस्ट्रक्शन एक्टिविटी तेज होगी।'मिनिस्ट्री ने कहा, 'जियोपॉलिटिकल रिस्क, कमोडिटी प्राइसेज में उतार–चढ़ाव और ब्याज दरों में बढ़ोतरी के वैश्विक माहौल के बावजूद इंडियन कैपिटल मार्केट्स ने दमदार ग्रोथ दर्ज की है। इंडियन इकॉनमी के फंडामेंटल्स पर ग्लोबल इनवेस्टर्स का भरोसा बढ़ रहा है।'रिव्यू में कहा गया, 'इन्फ्लेशन स्टेबल है। इनवेस्टमेंट का हाल अच्छा है।

डिमांड से मैन्युफैक्चरिंग और कंस्ट्रक्शन एक्टिविटी बढ़ी। इससे तीसरी तिमाही में उच्च ग्रोथ को रफ्तार मिली।'मंथली रिव्यू में कहा गया, 'इंफ्लेशन लगातार छठे महीने पहकके कंफर्ट जोन में बनी हुई है। कोर इंफ्लेशन घट रही है। इससे बड़े दायरे में कीमतें घटने का पता चल रहा है।' कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स आधारित रिटेल इंफ्लेशन फरवरी में 5.09% के

आंकड़े के साथ 4 महीनों के निचले स्तर पर चली गई थी। हालांकि फूड इंफ्लेशन सालभर पहले के 5.9% के मुकाबले 8.66% पर थी। फरवरी में अनाज की महंगाई दर 7.6% रही, वहीं दालों के दाम 18.9% ऊपर रहे। सरकार ने पहकको इंफ्लेशन 2 से 6 प्रतिशत के दायरे में रखने का जिम्मा दिया है।

मिनिस्ट्री ने कहा, 'एयर पैसिजर ट्रैफिक बढ़ने, पैसेंजर गाड़ियों की ज्यादा बिक्री होने, डिजिटल पेमेंट बढ़ने और बेहतर कंज्यूमर कॉन्फिडेंस से पता चलता है कि प्राइवेट कंजम्पशन डिमांड मजबूत हो रही है। छोटे शहरों और कस्बों में घरों की मांग बढ़ रही है। इससे कंस्ट्रक्शन एक्टिविटी तेज होगी।'मिनिस्ट्री ने कहा, 'जियोपॉलिटिकल रिस्क, कमोडिटी प्राइसेज में उतार–चढ़ाव और ब्याज दरों में बढ़ोतरी के वैश्विक माहौल के बावजूद इंडियन कैपिटल मार्केट्स ने दमदार ग्रोथ दर्ज की है। इंडियन इकॉनमी के फंडामेंटल्स पर ग्लोबल इनवेस्टर्स का भरोसा बढ़ रहा है।'रिव्यू में कहा गया, 'इन्फ्लेशन स्टेबल है। इनवेस्टमेंट का हाल अच्छा है।

सब का सपना

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा आर्यावर्त प्रिंटर्स सौम्या सदन गोकुल बिहार, अमरोहा उत्तर प्रदेश 244221 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।

संपादक : अनुज कुमार
R.N.I. No. : UPHIN/2023/86483
मोबाइल नंबर
9456884327
E-Mail :- Officialsabkasapna@gmail.com
www.sabkasapna.com
नोट– समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।

रोहित शर्मा सबसे कामयाब कप्तान, इनके नाम है इतने रिकॉर्ड

नई दिल्ली

नई दिल्ली. रोहित शर्मा 2007 से भारत के लिए खेल रहे हैं. उन्होंने अपने इंटरनेशनल करियर की शुरुआत टी20 फॉर्मेट से की. इसलिए कप्तानी की बात पहले इसी फॉर्मेट से. रोहित ने 54 टी20 मैच में कप्तानी की है, जिसमें से 41 में जीत मिली है. इस तरह भारत ने रोहित की कप्तानी में 76.85 फीसदी मैच जीते हैं, जो किसी भी कप्तान से ज्यादा हैं. यहां दो बातें साफ कर दें. पहली– कामयाब कप्तानों की इस लिस्ट में हमने सिर्फ उन्हीं खिलाड़ियों को शामिल किया है, जिन्होंने कम से कम 10 मैचों में भारत की अगुवाई की है. दूसरी– यह ज्यादा मैच जीतने का आंकड़ा नहीं है, बल्कि यह विनिंग परसेंट की बात है यानी कि किस कप्तान ने कितने फीसदी मैच जीते.

टी20 फॉर्मेट में भारत के 4 खिलाड़ियों ने 10 से अधिक मैचों में कप्तानी की है. इनमें रोहित शर्मा के अलावा एमएस धोनी, विराट कोहली और हार्दिक पंड्या शामिल हैं. धोनी की कप्तानी में भारत ने 71 में से 41 मैच जीते हैं. कप्तान कोहली ने 50 में से 30 और पंड्या ने 16 में से 10 मैच जिताए हैं. इस तरह विनिंग परसेंट में पंड्या (65.62%), कोहली (64.58%) और धोनी (59.28%) तीनों ही रोहित से पीछे हैं.

रोहित शर्मा ने 45 वनडे मैचों में भारत की कप्तानी की है, जिसमें से 34 में जीत मिली है. यानी रोहित की कप्तानी में भारत ने 77.27 फीसदी मैच जीते हैं, जो किसी भी कप्तान से ज्यादा है. दूसरे नंबर पर विराट कोहली (70.43%) और तीसरे नंबर पर शिखर धवन (70.00%) हैं. बतौर कप्तान कोहली ने 95 में से 65 और धवन ने 12 में से 7 मैच जिताए हैं. एमएस धोनी ने 59.52% और कपिल देव 54.16% ने मैच जिताए हैं. धोनी ने 200 वनडे मैच में कप्तानी की, जिनमें से 110 मैच जिताए. कपिल की कप्तानी में भारत ने 74 में से 39 मैच जीते. रोहित और कोहली के अलावा सिर्फ शिखर धवन (12 में 7) ही अपनी कप्तानी में भारत को 70.00% मैच जिता पाए हैं. बाकी सारे कप्तानों की कामयाबी 70.00% से कम है.इसी तरह टेस्ट मैचों की बात करें तो विराट कोहली ने सबसे अधिक 68 मैचों में कप्तानी की है और सबसे ज्यादा 40 मैचों में जीत भी दिलाई है. उनकी कप्तानी में भारत का विनिंग परसेंट 70 है.

धोनी ने अचानक छोड़ी कप्तानी, जानें क्या है धोनी का मास्टरप्लान

नई दिल्ली

एमएस धोनी ने कप्तानी छोड़ दी और फ्रेंचाइजी ने युवा खिलाड़ी ऋतुराज गायकवाड़ को टीम की कमान सौंप दी है. उरङ के खेमे से आई इस खबर ने फैंस को हिलाकर रख दिया है. क्रिकेट के गलियारों में इसी की चर्चा है. इस बीच फैंस ये जानना चाह रहे हैं कि आखिर माही ने अचानक यूं कप्तानी छोड़ने का फैसला क्यों किया? तो आइए आपको इसके पीछे की वजह के बारे में बताते हैं.

एमएस धोनी के दिमाग में कब, क्या चल रहा है, इस बात का अंदाजा लगाना भी असंभव है. ऐसा एक बार फिर साबित हुआ... जी हां, क्ढछ 2024 से पहले माही ने अचानक कप्तानी छोड़ दी और ऋतुराज गायकवाड़ को कमान सौंप दी. धोनी और उनकी स्ट्रैटजी हमेशा कमाल की रही हैं. फिर चाहें आप इंटरनेशनल मैचों की बात करें, तो या फिर आईपीएल की... वह अक्सर विकेट लेने में अपने गेंदबाजों की मदद करते हैं. माही ने रविंद्र जडेजा को कप्तानी सौंपी थी. लेकिन, जड्डू कैप्टेंसी में फेल हुए और फिर थाला ने बिखरती हुई उरङ को संभाला था. तब चेन्नई सुपर किंग्स ने महेंद्र सिंह धोनी को खरीदकर टीम की कमान सौंपी थी. माही ने इस भरोसे को बनाए रखा .

बड़ी पारी नही खेल पाए रुतुराज बनता बड़ा स्कोर

नई दिल्ली

चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में चेन्नई ने बेंगलुरु को 6 विकेट से हराया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए फ्ळइ ने 20 ओवर में 6 विकेट खोकर 173 रन बनाए। अनुज रावत ने सबसे ज्यादा 48 रन बनाए। जवाब में उरङ ने 18.3 ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर 176 रन बनाकर मुकाबले को अपने नाम किया।

174 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी चेन्नई सुपर किंग्स को भी औसत शुरुआत मिली। सलामी बल्लेबाज रुतुराज गायकवाड़ और रचिन रविंद्र ने पहले विकेट के लिए 38 रन जोड़े। चौथे ओवर की आखिरी गेंद पर यश दयाल ने इस पार्टनरशिप को तोड़ा। उन्होंने उरङ के कप्तान रुतुराज को कैमरून ग्रीन के हाथों कैच आउट कराया। रुतुराज ने 4 चौकों की मदद से 15 गेंदों पर 15 रन बनाए। 7वें ओवर की आखिरी गेंद पर चेन्नई को दूसरा झटका लगा। कर्ण शर्मा ने रचिन रविंद्र का शिकार किया। रचिन ने 15 गेंदों पर 37 रन की पारी खेली।

99 के स्कोर पर चेन्नई सुपर किंग्स का तीसरा विकेट गिरा। कैमरून ग्रीन की गेंद पर ग्लेन मैक्सवेल ने अजिंक्य रहाणे का कैच लपका। रहाणे ने 19 गेंदों पर 27 रन जड़े। अपनी इस पारी में उन्होंने 2 छक्के लगाए।

13वें ओवर में कैमरून ग्रीन ने फ्ळइ को एक और सफलता दिलाई। उन्होंने डेरिल मिचेल को अपना शिकार बनाया। मिचेल ने 2 छक्कों की बदौलत 18 गेंदों पर 22 रन की पारी खेली।

सबसे तेज रंन बनाने वाले टॉप 10 में भारत के सिर्फ दो खिलाड़ी

नई दिल्ली

चेन्नई का एमए चिदंबरम स्टेडियम इस मैच की मेजबानी करेगा. वर्ष 2008 से शुरू हुए क्ढछ में रन बनाने के मामले में भारतीय बैटरों का दबदबा रहा है. टूर्नामेंट में सर्वाधिक रन बनाने वाले 10 बैटर्स में 7 भारत से हैं लेकिन तेजी से रन बनाने के मामले में मामला इसके उलट है. स्ट्राइक रेट में विदेशी बैटरों ने खुद को भारतीय बैटरों से बेहतर साबित किया है.

आईपीएल में सर्वश्रेष्ठ स्ट्राइक रेट दर्ज करने वाले टॉप 10 बैटर्स में आठ विदेशी हैं. भारत के दो बैटर ही इस सूची में हैं. मजे की बात यह है कि रोहित शर्मा, महेंद्र सिंह धोनी और युवराज सिंह जैसे हिटर्स के नाम इसमें नहीं हैं. वेस्टइंडीज के बैटरों को आक्रामक शैली के क्रिकेट के लिए दुनियाभर में जाना जाता है.आईपीएल के सर्वाधिक स्ट्राइक रेट वाले शीर्ष 10 बैटरों में कैरेबियन द्वीप के पांच खिलाड़ी हैं. वैसे, इन विदेशी बैटर्स की स्ट्राइक रेट में श्रेष्ठता का एक कारण यह भी है कि इन्होंने भारतीयों की तुलना में काफी कम मैच खेले हैं.

आईपीएल के 'उत्सव' में वर्ष 2012 से वेस्टइंडीज के हरफनमौला आंद्रे रसेल सबसे बड़े एंटरटेनर साबित हुए हैं. रसेल ने टूर्नामेंट के 112 मैचों की 96 पारियों में 18 बार नाबाद रहते हुए अब तक 29.00 के औसत और 174.00 के स?ट्राइक रेट से 2262 रन ठोके हैं जिसमें 10 अर्धशतक शामिल हैं. वे इस दौरान 150 चौके और 193 छक्के लगाकर विपक्षी बैटरों पर कहर बनकर टूटे हैं. शुरुआती सीजन में दिल्ली की फ्रेंचाइजी से खेलने के बाद रसेल, अब केकेआर से खेलते हैं जिसने 18 करोड़ रु. की बड़ी राशि में उन्हें अपने साथ जोड़ा है. ऊंचे स्ट्राइक रेट से रन बनाने में माहिर रसेल अपनी गेंदबाजी से भी डङफ के लिए असेट हैं और 24.49 के औसत से 96 विकेट ले चुके हैं.

युजवेंद्र चहल आईपीएल में दिखेगा दम! इतिहास रचने से 14 विकेट दूर

नई दिल्ली : भारतीय टीम से बाहर चल रहे युजवेंद्र चहल ने अब तक खेले 290 टी20 मुकाबलों की 287 पारियों में 336 विकेट चटकाए हैं। इस दौरान उनकी औसत 23.39 की और इकॉनमी 7.61 की रही है। क्ढछ के 17वें सीजन में 14 विकेट लेते ही चहल के टी20 क्रिकेट में 350 विकेट पूरे हो जाएंगे। इसके साथ ही वह टी20 क्रिकेट में 350 विकेट लेने वाले पहले भारतीय गेंदबाज होंगे। उनके अलावा पीयूष चावला ने टी20 में 302 और रविचंद्रन अश्विन ने 301 विकेट चटकाए हैं।

टी20 में सर्वाधिक विकेट लेने वाले भारतीय

युजवेंद्र चहलः 336 विकेट
पीयूष चावलाः 302 विकेट
रविचंद्रन अश्विनः 301 विकेट
भुवनेश्वर कुमारः 288 विकेट
अमित मिश्राः 284 विकेट

चहल ने क्ढछ में लिए सर्वाधिक विकेट युजवेंद्र चहल इंडियन प्रीमियर लीग में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। उन्होंने लीग में अब तक खेले 145 मैच की 144 पारियों में 187 शिकार किए हैं। इस दौरान उनकी औसत 21.68 की और इकॉनमी 7.66 की रही है। 5/40 लीग में उनका सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन है।

संक्षेप खबरें

इन दो दिग्गज खिलाड़ियों ने विजेता टीम के नाम की भविष्यवाणी

नई दिल्लीः सबसे पहले आपको बता दें कि यह भविष्यवाणी की है दो दिग्गज खिलाड़ी एबी डिविलियर्स और ऑस्ट्रेलिया के पूर्व पेसर ब्रेट ली ने। दोनों ने अपनी टीम का नाम बताया है जो आगामी सीजन में चैंपियन बन सकती है। गौरतलब है कि हाल ही में महिला प्रीमियर लीग के दूसरे सीजन का खिताब आरसीबी ने अपने नाम किया है। आईपीएल के 16 साल में टीम ट्रॉफी नहीं जीत पाई लेकिन हढछ में टीम ने ट्रॉफी जीत ली। इसी को लेकर डिविलियर्स ने कहा, 'यही डेस्टिनी है। गर्ल्स ने कर दिया है और अब ब्वॉयज की बारी है।'

आरसीबी के पूर्व खिलाड़ी ने आगे कहा कि, अब यह दुर्भाग्य का रास्ता बंद हो चुका है। यही वो साल है जब आरसीबी आईपीएल का भी खिताब अपने नाम करेगी। मुझे पूरा विश्वास है कि इस बार टीम जीतेगी। आपको थोड़ा धैर्य रखना पड़ता है। हालांकि, 9 अन्य टीमें भी हैं जो आरसीबी को ऐसा करने से रोकेंगी। लेकिन पहले हमने अपना बेस्ट दिया है और इसके नजदीक भी पहुंचे हैं। फाइनल में हम तीन बार हारे।

खास बात यह है कि ब्रेट ली ने भी आरसीबी के नाम की ही भविष्यवाणी की है। उन्होंने कहा, 'मैंने सभी 10 टीमों के बारे में जाना। मुझे भी लगता है कि इस साल आरसीबी के पास खिताब जीतने का अच्छा मौका है। मैं इस बार उनके खिलाफ बेट नहीं करूंगा। भारत में कई अंधविश्वास होते हैं। उन्होंने अपना नाम बदला, ड्रेस बदली। इसलिए यह साल उनके नाम हो सकता है।'

केसव महाराज ने अयोध्या जाकर भगवान श्री राम का लिया आशीर्वाद

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीकी स्पिनर केसव महाराज अयोध्या पहुंचे और उन्होंने राम लला के दर्शन किए। उन्होंने अपनी तस्वीर सोशल मीडिया पर शेयर की है। क्ढछ 2024 में महाराज लखनऊसुपर जायंट्स के बल्लेबाजों की मदद करते नजर आएंगे और पूरे सीजन टीम के साथ रहेंगे।

केसव महाराज काफी धार्मिक क्रिकेटर हैं। उन्होंने राम मंदिर में दर्शन के बाद इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर शेयर की। तस्वीर के साथ कैप्शन में प्रोटियाज क्रिकेटर ने लिखा, ₹जय श्री राम, सभी को आशीर्वाद।₹इस साल की शुरुआत में ही केसव महाराज में राम मंदिर के दर्शन की इच्छा जताई थी। रअ20 में वह लखनऊसुपर जाइंट्स की सिस्टर फ्रेंचाइजी डरबन सुपर जाइंट्स का हिस्सा हैं। अक्सर देखा गया है कि महाराज जब मैदान पर बल्लेबाजी के लिए उतरते हैं तो 'राम सिया राम' भजन प्ले किया जाता है। इस पर महाराज ने बताया था कि इससे उनका ध्यान केंद्रित होता है।

महाराज ने कहा था, ₹भगवान में मेरी आस्था बहुत दृढ़ है। मैं हमेशा मानता हूं कि भगवान ने मुझे दृष्टिकोण और मार्गदर्शन दिया है और मुझे उस स्थिति में रखा है जहां मैं आज हूं। मैं हमेशा आभारी हूं और धन्यवाद देता हूं। मैं भगवान हनुमान और भगवान राम का भक्त हूं।पिछले साल के अंत में हुए मिनी ऑक्शन में केसव महाराज अनसोल्ड रहे थे। उनका बेस प्राइस 50 लाख रुपये था, लेकिन किसी भी फ्रेंचाइजी में उन पर दांव नहीं लगाया था। क्ढछ 2024 के दौरान केसव लखनऊसुपर जायंट्स का हिस्सा रहेंगे।

'शायद इस मैदान पर मेरा आखिरी मैच था', दिग्गज खिलाड़ी ने संन्यास पर तोड़ी चुप्पी

नई दिल्ली

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 17वें सीजन का आगाज हो चुका है, जिसमें गतविजेता चेन्नई सुपर किंग्स ने जीत के साथ शुरुआत की है। इस मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु टीम का हिस्सा अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक ने मैच के बाद अपने बयान से ये संकेत दिया है कि ये उनका आखिरी आईपीएल सीजन हो सकता है। कार्तिक ने कहा कि यह उनका चेपॉक स्टेजियम में अंतिम मैच हो सकता है, यदि उनकी टीम प्लेऑफ में पहुंचती है और यहां पर मुकाबला होता है तो उसी स्थिति में उन्हें इस मैदान पर खेलने का मौका मिलेगा। आईपीएल में कार्तिक अब तक 6 टीमों का हिस्सा रह चुके हैं।

चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ मुकाबले में मिली 6 विकेट से हार के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में आए दिनेश कार्तिक ने कहा कि कमेंट्री करते हुए टेस्ट मैचों के बीच क्रिकेट खेलने के लिए समय निकालना बेहद मुश्किल था। मुझे जो भी समय मिलता था उसमें मैं कड़ी मेहनत करता था। इसलिए मुझे खुशी है कि मैं पहले मैच में अच्छा प्रदर्शन करने में सफल रहा। कुछ रन बनाकर अच्छा महसूस हो रहा है। मुझे उम्मीद है कि हमारी टीम प्लेऑफ में इस बार जगह बनाने में सफल होगी यहां प्लेऑफ के मैच खेले जाएंगे और मैं उनके लिए वापस यहां आ सकता हूं जो मेरा यहां अंतिम मैच हो सकता है, लेकिन यदि मैं ऐसा करने में सफल नहीं हो सका तो ये चेपॉक पर मेरा आखिरी मैच होगा।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की टीम आईपीएल के 17वें सीजन के अपने पहले मुकाबले चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ एक समय 78 के स्कोर तक अपने 5 विकेट गंवा चुकी थी। यहां से दिनेश कार्तिक ने अनुज रावत के साथ मिलकर ना सिर्फ पारी को संभाला बल्कि टीम को एक सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाने में भी अहम भूमिका अदा की। कार्तिक ने 26 गेंदों में 3 चौके और 2 छक्कों की मदद से 38 रनों की नाबाद पारी खेली, जिसके चलते आरसीबी 20 ओवरों में 173 के स्कोर तक पहुंचने में कामयाब हो सकी।

आरसीबी को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाने में निभाई अहम भूमिका

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की टीम आईपीएल के 17वें सीजन के अपने पहले मुकाबले चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ एक समय 78 के स्कोर तक अपने 5 विकेट गंवा चुकी थी। यहां से दिनेश कार्तिक ने अनुज रावत के साथ मिलकर ना सिर्फ पारी को संभाला बल्कि टीम को एक सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाने में भी अहम भूमिका अदा की। कार्तिक ने 26 गेंदों में 3 चौके और 2 छक्कों की मदद से 38 रनों की नाबाद पारी खेली, जिसके चलते आरसीबी 20 ओवरों में 173 के स्कोर तक पहुंचने में कामयाब हो सकी।

हैप्पी होली

इन लोगों को नहीं देखना चाहिए होलिका दहन, हो सकती हैं कई परेशानियां

फाल्गुन माह की पूर्णिमा तिथि के दिन होलिका दहन का पर्व मनाया जाता है। जो कि सनातन धर्म में बहुत ही महत्वपूर्ण पर्व है। होलिका के अगले दिन होली का पर्व मनाया जाता है, जिसे प्रेम का प्रतीक माना जाता है। इस साल होलिका दहन 24 मार्च रविवार के दिन किया जाएगा। होली से कुछ दिन पहले ही लोग लकड़ी, उपले और झाड़ को एक जगह इकट्ठा करते हैं और होलिका दहन की रात इन चीजों को अग्नि के हवाले कर देते हैं। माना जाता है कि होलिका दहन की अग्नि की राख से कई परेशानियों से छुटकारा पाया जा सकता है। हिंदू धर्म में कुछ लोगों को होलिका दहन या जलती होली नहीं देखने की हिदायत दी जाती है।

नवविवाहित महिलाएं

जिन महिलाओं की शादी के बाद पहली होली होती है, उन्हें गलती से भी जलती हुई होलिका नहीं देखनी चाहिए। माना जाता है कि जलती हुई होली देखने से उन्हें दोष लगता है और उनका सुख–सौभाग्य होलिका दहन की अग्नि में भस्म हो जाता है।

गर्भवती महिलाएं

गर्भवती महिलाओं के लिए होलिका दहन की पूजा करना या फिर उसे जलते हुए देखना अच्छा नहीं माना जाता है। उन्हें होलिका की परिक्रमा भी नहीं करनी चाहिए। ऐसा करने से गर्भ में पल रहे बच्चे की सेहत पर बुरा प्रभाव पड़ता है।

होली से पहले होलिका दहन को देखना और पूजा करना भले ही शुभ माना जाता है लेकिन नवजात बच्चे के लिए यह दोष का कारण बनता है। माना जाता है कि जिस जगह होलिका दहन किया जाता है। वहां बुरी शक्तियों का खतरा बना रहता है। इसलिए नवजात बच्चों को होलिका दहन से दूर रखना चाहिए।